मेट्रो Rays

आगे रखने का वादा

सांध्य दैनिक

रांची, मंगलवार, 3 नवंबर 2026

संवत 2083, कार्तिक कृष्ण 8 मूल्य-2 रुपये

वर्ष-10, अंक 60 , पृष्ठ-8, RNI No.-JHAHIN/2017/75028

4 मार्क्सवादी विचारधारा के 100 वर्ष : घोषित आदर्श, वास्तविक योगदान और परिणाम



बिग बी की बढ़ाई गई सुरक्षा 6

दुमका में नवजात के लिए अंगीठी जलाकर सोई थी मां दम घुटने से एक बच्ची की मौत, दो की स्थिति गंभीर

संवाददाता

दुमका: जिले के मुफस्सिल थाना क्षेत्र के बहराबांक गांव में अंगीठी के धुएं से दम घुटने के कारण एक छह साल की बच्ची की मौत हो गई। जबकि एक अन्य बच्ची और उसकी मां की स्थिति गंभीर है।

11 दिन की बच्ची के लिए मां ने जलाया था अंगीठी : दरअसल, यह पूरा मामला दुमका जिले के मुफस्सिल थाना क्षेत्र के बहराबांक गांव का है। जहां रीना देवी अपनी 11 दिन की बच्ची के लिए कमरे में रात में अंगीठी जलाई थी। वह अपने साथ अपनी दो अन्य बेटी निक्की और रूपाली को लेकर सो गई। सुबह जब



कमरे का दरवाजा नहीं खुला तो उसकी अन्य दो बेटी जो दूसरे कमरे में सो रही थी, उसने दरवाजा खटखटाया पर जब दरवाजा नहीं खोला गया तो दोनों बेटी चिल्लाने लगी और बगल के घर से चाचा-चाची को बुला लाई।

चाचा राजकुमार ने तुरंत बच्चियों के पिता और अपने भाई प्रकाश सिंह को फोन कर बुलाया, जो कुछ ही किलोमीटर पर एक लाइन होटल चलाते हैं और रात में वहीं रहते हैं। जब दरवाजा तोड़ा गया तो देखा कि सभी लोग बेहोश है। उन्होंने सभी को दुमका फूलो झानो मेडिकल कॉलेज अस्पताल लाया। जहां छह साल की बच्ची निक्की कुमारी को चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। जबकि मां रीना देवी और एक अन्य बच्ची रुपाली कुमारी की स्थिति गंभीर है। जबकि 11 दिन की बच्ची की स्थिति खतरे से बाहर बताई जा रही है।

क्या कहते हैं थाना प्रभारी : इस पूरे मामले पर मुफस्सिल थाना प्रभारी जगन्नाथ धान ने बताया कि बेहोशी की अवस्था में एक महिला और तीन बच्चियों को अस्पताल लाया गया। बताया गया है कि अंगीठी के धुएं से दम घुटने से एक बच्ची की मौत की हुई है। जबकि अन्य का इलाज चल रहा है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पिता बना बेटे का कातिल, कुदाल से हमला कर उतारा मौत के घाट

संवाददाता

रांची: नरकोपी थाना क्षेत्र के बोबरो गांव में एक पिता ने अपने ही बेटे की कुदाली से वार कर हत्या कर दी। मंगलवार को हुई इस घटना के बाद गांव में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान नितेश उरांव के रूप में हुई है, जबकि आरोपी पिता का नाम देवनाथ उरांव है।

क्या है पूरा मामला : जानकारी के अनुसार, मंगलवार को बोबरो गांव के सिया टोली में देवनाथ उरांव ने विवाद होने पर अपने ही बेटे नितेश उरांव पर कुदाल से हमला कर दिया। हमले में नितेश की मौत हो गई। घटना की सूचना मिलने के बाद नरकोपी थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए रिम्स भेज दिया। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी पिता देवनाथ उरांव को गिरफ्तार कर लिया, साथ ही हत्या में इस्तेमाल किया गया कुदाल भी जब्त कर लिया गया है।

मामूली विवाद बन गया हत्या का कारण : ग्रामीणों ने बताया कि मामूली विवाद ने इतना बड़ा रूप ले लिया कि पिता ने अपने ही बेटे की बड़ी बेरहमी से हत्या कर दी। बेड़ो डीएसपी दीपक कुमार ने बताया कि पिता के द्वारा बेटे की हत्या की सूचना मिलते ही पुलिस की टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी पिता को गिरफ्तार कर लिया। हत्या किन वजहों से की गई इसकी तफ्तीश की जा रही है।

पारिवारिक विवाद में खूनी संघर्ष! डॉ.ओपी आनंद को भाई ने मारी गोली, मंत्री बन्ना गुप्ता से विवाद में चिकित्सक जा चुके हैं जेल

संवाददाता

सरायकेला: आरआईटी थाना क्षेत्र के मार्ग संख्या 4 स्थित गायत्री शिक्षा निकेतन परिसर में सोमवार रात करीब 10.30 बजे संपत्ति विवाद ने खूनी रूप ले लिया। स्कूल संचालक सत्यप्रकाश सुधांशु ने अपने छोटे भाई व चर्चित चिकित्सक डॉ. ओपी आनंद पर सर्विस रिवाल्वर से गोली चला दी। गोली डॉ। आनंद की पीठ में लगी है। उन्हें गंभीर हालत में सीसीयू में भर्ती कराया गया है, जहां देर रात गोली निकालने के लिए ऑपरेशन शुरू किया गया।



कहासुनी के बीच तान दी पिस्तौल : डुप्लेक्स के निचले तल्ले पर डॉ। ओपी आनंद और ऊपरी तल्ले पर बड़े भाई सत्यप्रकाश रहते हैं। वर्ष 2021 में पिता वाईपी यादव के निधन के बाद से ही दोनों के बीच विवाद गहराता गया। विवाद के चलते दोनों ने निजी बॉडीगार्ड भी रखे थे। सोमवार रात घर लौटते समय सत्यप्रकाश की कहासुनी डॉ। आनंद की पत्नी सरीता आनंद से हो गई।

इस बीच सत्यप्रकाश रिवाल्वर निकाल लाया और सरीता पर तान दी। पत्नी को बचाने जैसे ही डॉ। आनंद आगे आए, गोली उनकी पीठ में लग गई। दूसरी फायरिंग के दौरान सुरक्षा गार्ड ने सत्यप्रकाश को खींच लिया, जिससे गोली हवा में चली। डॉ. आनंद की पुत्री आन्या ने बताया कि गोली लगने के बाद परिजन व बड़े पापा उन्हें अस्पताल ले गए, जहां से बाद में बड़े पापा फरार हो गए।

कर्ज और मुकदमों से घिरे रहे हैं डॉ. आनंद : पूर्वी सिंहभूम से सांसद और जमशेदपुर पूर्वी से विधायक का चुनाव लड़ चुके डॉ. आनंद कोरोना की दूसरी लहर में तत्कालीन स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता से विवाद के बाद सुर्खियों में आए थे। मरीज की शिकायत पर उन्हें जेल भी जाना पड़ा था। जेल से आने के बाद बंद अस्पताल, बैंक का भारी कर्ज और लगातार हो रहे नुकसान को लेकर वे तनाव में थे, जिसे लेकर दोनों भाइयों में अक्सर झगड़ा होता था।

पलामू में सड़क हादसे में डिलीवरी बॉय की मौत, एक की हालत गंभीर

पलामू: जिले के मेदिनीनगर टाउन थाना क्षेत्र के पुलिस लाइन रोड में एक सड़क हादसा हुआ, जिसमें ई-कॉमर्स कंपनी की डिलीवरी बॉय की मौत हो गई। घटना सोमवार की रात 12:00 बजे के बाद की है। इस हादसे में एक दूसरा डिलीवरी बॉय भी गंभीर रूप से जख्मी हुआ है, जिसे इलाज के लिए रिम्स रेफर कर दिया गया है।

दरअसल, ई-कॉमर्स कंपनी के डिलीवरी बॉय विश्वनारायण और विनीत कुमार बाइक से जा रहे थे। इसी क्रम में पुलिस लाइन रोड में सब्जी लदे पिकअप वाहन ने बाइक को टक्कर मार दी। इस घटना में विश्वनारायण की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि विनीत कुमार गंभीर रूप से जख्मी हो गए। विनीत को इलाज के लिए मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज एंड हॉस्पीटल में भर्ती करवाया गया। जहां डॉक्टरों ने बेहतर इलाज के लिए रिम्स रेफर कर दिया है।

घटना की जानकारी मिलने के बाद टाउन थाना प्रभारी ज्योतिलाल रजवार केंद्रित में पुलिस बल मौके पर पहुंची और दुर्घटना में शामिल पिकअप को जब्त कर लिया है। वहीं, पिकअप पर सवार एक संदिग्ध व्यक्ति को हिरासत में लिया गया है और पुलिस पूरे मामले में आगे की छानबीन कर रही है।

बताया जाता है कि विश्वनारायण के सिर में चोट लगी थी। दोनों में से किसी ने हेलमेट नहीं लगाया था। टाउन थाना प्रभारी ज्योतिलाल रजवार ने बताया कि मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस पूरे मामले में छानबीन कर रही है। थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस लगातार बाइक सवारों से हेलमेट लगाने का आग्रह कर रही है। विश्वनारायण चैनपुर थाना क्षेत्र के चांदो और विनीत कुमार टाउन थाना क्षेत्र के हमीदगंज के रहने वाले हैं। इधर घटना की जानकारी मिलने के बाद बड़ी संख्या में परिजन एवं ग्रामीण मौके पर पहुंच गए हैं।

नेपाल हेलीकॉप्टर हादसे में तमिलनाडु के वसंत कुमार की मौत

काठमांडू : नेपाल में मंगलवार सुबह लैंडिंग के दौरान दो हेलीकॉप्टर आपस में टकरा गए। इस हादसे में मारे गए विदेशी नागरिक की पहचान एक भारतीय के रूप में हुई है। मंगलवार सुबह पूर्वी नेपाल के पहाड़ी सोलुखुम्बु जिले में दो हेलीकॉप्टरों के आपस में टकरा जाने से एक व्यक्ति की मौत हो गई और दूसरा घायल हो गया था। सोलुखुम्बु जिला पुलिस कार्यालय के प्रमुख, पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) नवीन राजा बुढाथोकी ने आईएएनएस



को बताया कि इस हादसे में तमिलनाडु के रहने वाले एक भारतीय नागरिक, वसंत कुमार की मौत हो गई। उन्होंने बताया, ₹घायल व्यक्ति न्यूजीलैंड के नागरिक हैं और वो भारतीय मूल के हैं। शुरूआती रिपोर्ट्स के अनुसार, ये दोनों 'फिशटेल एयर' के एक हेलीकॉप्टर में सवार थे। मंगलवार सुबह सोलुखुम्बु जिले के फेरिचे इलाके में एक हेलीपैड पर उतरने की कोशिश के दौरान, यह हेलीकॉप्टर 'एयर डायनेस्टी' के एक अन्य हेलीकॉप्टर से टकरा गया। बुढाथोकी ने बताया कि 'फिशटेल एयर' के हेलीकॉप्टर के पायलट को भी मामूली चोट आई हैं। नेपाली अधिकारियों के अनुसार, 'एयर डायनेस्टी' के हेलीकॉप्टर में कोई यात्री सवार नहीं था।

दिल्ली-एनसीआर में हर तरह के पटाखे बिकने पर सुप्रीम कोर्ट ने जताई चिंता

नई दिल्ली : सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली-एनसीआर में हर तरह के पटाखों की बिक्री को लेकर चिंता जाहिर की है। कोर्ट ने कहा है कि उसके आदेश के मुताबिक दीपावली के मौके पर सिर्फ दो दिन ग्रीन पटाखों की इजाजत है लेकिन बाजार में सभी तरह के पटाखे बिक रहे हैं। जस्टिस एमएम सुंदरेश ने मीडिया रिपोर्ट का हवाला देते हुए एसजी ऐश्वर्या भाटी से कहा कि सरकार इस पर ध्यान दे। अखबार में छपी खबर के मुताबिक बाजार में हर तरह के



पटाखे मिल रहे हैं और बिना क्यूआर कोड के पटाखे बिक रहे हैं। कोर्ट के आदेश की अवहेलना हो रही है, सरकार इस पर ध्यान दे। बता दें कि इससे पहले 2 नवंबर को सुप्रीम कोर्ट ने दीपावली के मौके पर पटाखे छोड़ने की अनुमति दी थी। इससे पहले कई बार दीपावली पर हवा की खराब गुणवत्ता को देखते हुए पटाखों पर प्रतिबंध लगाया जाता रहा है। सुप्रीम कोर्ट ने दीपावली पर दो दिन ग्रीन पटाखे जलाने की अनुमति दी है जबकि 9 नवंबर से पटाखे छोड़ने पर प्रतिबंध लगा दिया है। दिल्ली-एनसीआर में 7 और 8 नवंबर को प्रमाणित ग्रीन पटाखे जलाने की अनुमति दी गई है जबकि कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि 9 नवंबर से पटाखों पर पहले की तरह पूर्ण प्रतिबंध लागू हो जाएगा। कोर्ट के 15 अक्टूबर 2025 के आदेश के अनुसार पटाखे जलाने की अनुमति दी गई है। इसके तहत 7 और 8 नवंबर को सुबह 6 से 7 बजे तक और रात 8 से 10 बजे तक ही पटाखे जलाए जा सकेंगे।

कोर्ट के आदेश के अनुसार अस्पतालों, नर्सिंग होम, प्राथमिक एवं जिला स्वास्थ्य केंद्रों, वृद्धाश्रमों और अधिसूचित साइलेंस जोन के 300 मीटर के दायरे में पटाखे जलाने की अनुमति नहीं होगी। इन सभी क्षेत्रों को 'नो क्रैकर जोन' घोषित किया जाएगा।

पीएम मोदी ने पुणे मेट्रो की पिंक लाइन का किया उद्घाटन, बोले

12 वर्षों में मेट्रो ट्रांसपोर्ट का हुआ कायाकल्प

नई दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को पुणे के मेट्रो पिंक लाइन का उद्घाटन किया। इस वहां मौजूद लोगों को वर्चुअली संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि त्योहारों की खुशियां तब और बढ़ जाती हैं, जब जीवन में कोई नई सुविधा जुड़ती है। आज पुणे के लोगों के लिए ऐसा ही एक सुखद अवसर है। मुझे खुशी है कि आज पुणे मेट्रो की एक और लाइन का लोकार्पण हो रहा है।₹ पीएम मोदी ने कहा, ₹10 वर्ष पहले मुझे पुणे में पहले चरण के काम के शिलान्यास का अवसर मिला था। अब हिंजवड़ी से शिवाजी नगर के बीच मेट्रो शुरू होने से पुणे के एक बड़े आईटी हब को बेहतर कनेक्टिविटी मिलेगी। आज जिस नई लाइन पर काम शुरू हुआ है, उससे पुणे के पुराने और नए इलाकों के बीच कनेक्टिविटी और मजबूत होगी। मैं पुणे और महाराष्ट्र के सभी लोगों को बधाई देता हूं। पुणे शहर हमेशा से ऐसे विचारों का केंद्र रहा है, जिनसे



राष्ट्र और समाज को नई दिशा मिली है। आज पुणे विकसित भारत की नई उर्जा को भी दिशा दे रहा है।₹ उन्होंने कहा, ₹आईटी, ऑटोमोबाइल, फार्मा, स्टार्टअप्स, इनोवेशन से लेकर मैन्यूफैक्चरिंग तक पुणे देश के युवाओं के लिए सपनों और संकल्प का स्थान है। ऐसे में मजबूत होती यहां की मेट्रो कनेक्टिविटी पुणे शहर के विकास को नई गति देने जा रही है। पुणे मेट्रो का लोकार्पण और इसका विस्तार यह दिखाता है कि विकसित भारत के लिए हम कैसे शहरों का निर्माण कर रहे हैं। पहले किसी शहर की पहचान उसके उद्योगों से होती थी या वहां के किसी प्रसिद्ध खान-पान या किसी प्रसिद्ध फल, फसल से होती थी। आज शहरों की पहचान के साथ दो और कसौटियां जुड़ गई हैं। पहला, कोई शहर कितना कॉम्पिटिटिव है और दूसरा, वहां ईज ऑफ लिविंग का क्या स्तर है? मेट्रो प्रोजेक्ट इन दोनों कसौटियों में किसी भी शहर को और बेहतर बनाता है।

पीएम ने कहा, ₹पुणे मेट्रो का जितना विस्तार हो रहा है, उससे समय भी बच रहा है और यहां के लोगों को ज्यादा सुविधा भी मिल रही है। हम सभी को पता है कि जब शहर का समय बचता है तो प्रोडक्टिविटी बढ़ती है। जब शहर की प्रोडक्टिविटी बढ़ती है तो देश की अर्थव्यवस्था को गति मिलती है और जब अर्थव्यवस्था बढ़ती है तो गरीब और मीडिल क्लास दोनों को उसका फायदा होता है। आज का यह दिन प्रो-पीपुल, प्रो-ऐक्टिव और गुड गवर्नेंस का भी उदाहरण है। उन्होंने कहा, ₹2014 तक देश में सिर्फ पांच शहरों में मेट्रो चल रही थी। अगर वही पुरानी सोच चलती, पुरानी सरकार रहती, पुरानी कार्य संस्कृति रहती तो पुणे में मेट्रो को पहुंचने में कई दशक और लग जाते। हालांकि 2014 में जब देश ने एनडीए को सेवा का मौका दिया तो हम एक संकल्प लेकर चले। यह संकल्प था कि शहर में रहने वाले मिडिल क्लास की ईज ऑफ लीविंग, ईज ऑफ ट्रांसपोर्टेशन का नतीजा आज हम देख रहे हैं। बीते 12 वर्षों में देश में मेट्रो ट्रांसपोर्ट का कायाकल्प हो चुका है। पीएम ने कहा, अब हर रोज मेट्रो में एक करोड़ से ज्यादा लोग यात्रा कर रहे हैं। आज भारतीय मेट्रो नेटवर्क दुनिया के टॉप 3 मेट्रो नेटवर्क में गिना जाता है। आज विकसित भारत बनाने के लिए देश के एक-एक नागरिक पूरी ताकत से जुटे हैं। आज हर कोई बड़े आत्मविश्वास से कह रहा है कि 'वी विल डू इट।' यह भाव पूरे देश में है। बीते 12 वर्षों में देश की उर्जा, गांव की सड़कों, हाईवे, एक्सप्रेसवे, नई रेल लाइनों का बिजलीकरण, लंबी-लंबी टनल और ऊंचे-ऊंचे पुलों के निर्माण में अनेक विविध योजनाएं और नए-नए प्रकल्प साकार कर रही है।

त्रिपुरा में भारत-बांग्लादेश सीमा के पास इस्राजवानों पर हमले के आरोप में आठ आरोपी गिरफ्तार

अगरतला : त्रिपुरा के सेपाहीजाला जिले में भारत-बांग्लादेश सीमा के पास अशाबारी में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवानों पर हमला करने के आरोप में अब तक आठ लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने मंगलवार को बताया कि सोमवार को बीएसएफ जवानों ने कलामचौरा पुलिस थाना क्षेत्र के अंतर्गत आशाबारी में अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास कुछ भारतीय और बांग्लादेशी तस्करों को अवैध गतिविधियों में शामिल होते देखा। जवान तुरंत मौके पर पहुंचे और एक भारतीय तस्कर को पकड़ लिया। हालांकि, जब बीएसएफ जवान वहां पहुंचे, तो सीमा बाड़ के दूसरी तरफ मौजूद बांग्लादेशी तस्कर भाग गए। अधिकारी ने बताया कि पकड़ा गया भारतीय तस्कर भी किसी तरह भाग निकला और उसने ग्रामीणों से कहा कि बीएसएफ जवानों ने उसके साथ मारपीट की है। इसके बाद बड़ी संख्या में पुरुष और महिलाएं मौके पर जमा हो गए। उन्होंने बीएसएफ की गाड़ी को घेर लिया और लाठी-डंडों से जवानों पर हमला कर दिया, जिसमें कंपनी कमांडर समेत तीन जवान घायल हो गए। आरोप है कि हमलावरों ने एक बीएसएफ जवान की राइफल छीनने की भी कोशिश की। भीड़ ने बीएसएफ की एक गाड़ी को भी नुकसान पहुंचाया। इस घटना में हमलावरों में से एक व्यक्ति भी घायल हो गया। सूचना पर बीएसएफ और पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे और स्थिति को काबू में किया।

अधिवक्ता अनुष्का चक्रवर्ती मौत मामला

झारखंड हाईकोर्ट ने जांच तेज करने और आरोपियों को गिरफ्तार करने का दिया निर्देश

संवाददाता

रांची : झारखंड हाईकोर्ट की अधिवक्ता अनुष्का चक्रवर्ती की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत के मामले में मंगलवार को हाईकोर्ट में सुनवाई हुई। कोर्ट ने पुलिस को जांच में तेजी लाने और मामले में शामिल अन्य आरोपियों को जल्द गिरफ्तार करने का निर्देश दिया है। सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से कोर्ट को बताया गया कि इस मामले में एक आरोपी पुलिस की गिरफ्त में है और उससे पूछताछ की जा रही है। न्यायमूर्ति रंगोन मुखोपाध्याय की पीठ ने मामले की सुनवाई करते हुए पुलिस को जांच सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर बेहतर तरीके से करने का निर्देश दिया। कोर्ट ने कहा कि मामले में अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए भी आवश्यक कार्रवाई की जाए। इस मामले में अगली सुनवाई 19 नवंबर को होगी। याचिकाकर्ता की ओर से हाईकोर्ट एडवोकेट एसोसिएशन के अध्यक्ष एवं वरीय अधिवक्ता अजीत कुमार के साथ अधिवक्ता शशिकांत जायसवाल, अंशु कुमारी, विवेक कुमार और विकास कुमार ने पक्ष रखा। गौरतलब है कि 22 अक्टूबर को हजारीबाग के बड़ा बाजार थाना क्षेत्र स्थित गुप्ता कॉम्प्लेक्स के एक फ्लैट में



अधिवक्ता अनुष्का चक्रवर्ती का शव संदिग्ध परिस्थितियों में फंदे से लटका मिला था। वह झारखंड हाईकोर्ट में वकालत करती थीं। घटना के बाद उनके पिता सुनील कुमार चक्रवर्ती ने पति और ससुराल पक्ष के अन्य लोगों पर दहेज प्रताड़ना और हत्या का आरोप लगाया था। परिजनों ने मामले की निष्पक्ष जांच की मांग करते हुए हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की थी। इस मामले में आरोपी पति कुशाग्र रुद्र राणा ने 29 अक्टूबर को हजारीबाग के मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी की अदालत में आत्मसमर्पण किया था। इसके बाद पुलिस ने उसे 48 घंटे की रिमांड पर लेकर पूछताछ की। रिमांड की अवधि पूरी होने के बाद 2 नवंबर को उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया।

मामले की जांच के लिए राज्य सरकार ने आठ सदस्यीय विशेष जांच दल (एसआईटी) का गठन किया है। पुलिस के अलावा सीआईडी भी आरोपी से पूछताछ कर चुकी है। जांच के दौरान घटना के दिन के घटनाक्रम, पारिवारिक विवाद और अन्य पहलुओं की पड़ताल की जा रही है।

समाचार सार

आजसू बुद्धिजीवी मंच के वरिष्ठ सदस्य लक्ष्मी नारायण महतो नहीं रहे

मुरीः सोमवार को आजसू बुद्धिजीवी मंच के वरिष्ठ सदस्य लक्ष्मी नारायण महतो का निधन हो गया। उनके निधन से क्षेत्र में शोक की लहर है। उनके निधन से पूर्व उपमुख्यमंत्री झारखंड सरकार सुदेश कुमार महतो ने गहरा शोक संवेदना व्यक्त किया है। स्वर्गीय लक्ष्मी नारायण महतो सिल्ली थाना अंतर्गत निमुआ, राजागोड़ा गांव का रहने वाला था। वह अपने पीछे दो पुत्र वीरेंद्र नाथ महतो और धीरेंद्र नाथ महतो छोड़ गए हैं।

ई-संजीवनी टेलीमेडिसिन सेवा पर वेबिनार में 600 सीएचओ ने लिया हिस्सा

रांची : राज्य में गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं को बढ़ावा देने और टेलीमेडिसिन परामर्श को बेहतर बनाने के उद्देश्य से सोमवार, 2 नवंबर को ऑनलाइन वेबिनार का आयोजन किया गया। ह्यई-संजीवनी टेलीमेडिसिन सेवाएंह्ल विषय पर आयोजित इस वेबिनार में राज्यभर से लगभग 600 सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों (सीएचओ) ने भाग लिया। इसका आयोजन राज्य सीपीएचसी-एएएम सेल, एनएचएम झारखंड की ओर से इंटेलीहेल्थ के तकनीकी सहयोग से किया गया।

वेबिनार की शुरूआत राज्य नोडल अधिकारी डॉ. मुकेश कुमार मिश्रा ने की। उन्होंने आयुष्मान आरोग्य मंदिर पहुंचने वाले प्रत्येक मरीज को गुणवत्तापूर्ण टेलीमेडिसिन परामर्श उपलब्ध कराने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। इंटेलीहेल्थ की टीम ने प्रतिभागियों को ई-संजीवनी मंच की नई सुविधाओं की जानकारी दी।

इस दौरान डॉ एसके मिश्रा ने मरीजों से बेहतर संवाद स्थापित करने, उनकी बीमारी से जुड़ी जानकारी लेने और सही तरीके से दस्तावेजीकरण करने के व्यावहारिक सुझाव दिए। वहीं, रिम्स रांची की डॉ. अर्पिता राय ने ई-संजीवनी के समग्र अंक प्रणाली के माध्यम से प्रत्येक परामर्श की गुणवत्ता मापने की प्रक्रिया समझाई। डॉ. संजय कुमार ने प्रदर्शन के जरिए बेहतर कार्यप्रणाली और आमतौर पर होने वाली कमियों की जानकारी दी।

वेबिनार के अंत में प्रश्नोत्तर सत्र आयोजित किया गया, जिसमें प्रतिभागियों की जिज्ञासाओं का समाधान किया गया। वेबिनार सफलतापूर्वक पूरा करने वाले सभी सीएचओ को क्रेडिट वेटेज के साथ ई-प्रमाणपत्र प्रदान किया जाएगा। इस पहल का उद्देश्य राज्य में डिजिटल माध्यम से गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाओं की पहुंच को और मजबूत बनाना है।

राज्यपाल ने संचित विचार पुस्तक का किया लोकार्पण, उपेंद्र पाठक को दी बधाई



रांची : राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने सोमवार को लोक भवन में मत्स्य विभाग के सेवानिवृत्त कर्मी उपेंद्र पाठक द्वारा संकलित पुस्तक ह्यसंचित विचारह्ल का लोकार्पण किया। इस पुस्तक में जीवन को सही दिशा देने वाले प्रेरक और सकारात्मक विचारों का संग्रह किया गया है। इसमें समाचार पत्रों, पत्रिकाओं और विभिन्न पुस्तकों से चयनित विचारों को संकलित किया गया है।

इस अवसर पर राज्यपाल ने कहा कि अच्छे विचार हमारी सोच को व्यापक बनाते हैं और जीवन में सही दिशा चुनने के लिए प्रेरित करते हैं। ऐसे विचारों को संकलित कर पुस्तक के रूप में प्रस्तुत करना सराहनीय पहल है। उन्होंने विश्वास जताया कि यह पुस्तक पाठकों को आत्मचिंतन करने, सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाने और जीवन की चुनौतियों का सामना नई ऊर्जा के साथ करने के लिए प्रेरित करेगी। राज्यपाल ने इस सार्थक प्रयास के लिए उपेंद्र पाठक को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

सम्मेद शिखर की पवित्रता और सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग, राज्यपाल को सौंपा ज्ञापन



रांची : श्री भारतवर्षीय दिगम्बर जैन महासभा के एक शिष्टमंडल ने सोमवार को लोक भवन में राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार से मुलाकात की। इस दौरान शिष्टमंडल ने गिरिडीह जिले में स्थित जैन धर्म के पवित्र तीर्थ श्री सम्मेद शिखर जी की धार्मिक पवित्रता, सुरक्षा और पर्यावरण संरक्षण सुनिश्चित करने की मांग को लेकर ज्ञापन सौंपा।

ज्ञापन में कहा गया कि श्री सम्मेद शिखर जी जैन धर्म का सर्वोच्च तीर्थ है। धार्मिक मान्यता के अनुसार, 24 तीर्थंकरों में से 20 तीर्थंकरों सहित अनेक सिद्धात्माओं ने इसी पवित्र पर्वतराज पर मोक्ष प्राप्त किया था। यह करोड़ों जैन श्रद्धालुओं की आस्था और आध्यात्मिक विरासत का प्रमुख केंद्र है। शिष्टमंडल ने तीर्थराज की धार्मिक गरिमा और प्राकृतिक स्वरूप की रक्षा के लिए प्रभावी कदम उठाने, पर्वतराज एवं तीर्थ क्षेत्र में पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था करने तथा प्रवेश मार्गों पर जांच और निगरानी सुनिश्चित करने का आग्रह किया। इसके अलावा तीर्थयात्रियों की सुरक्षा के लिए विशेष प्रबंध करने के साथ स्वच्छता, पेयजल, चिकित्सा सहायता और आवागमन की बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग की। शिष्टमंडल ने राज्यपाल से इस मामले में राज्य सरकार और संबंधित प्रशासन को आवश्यक निर्देश देने का आग्रह किया, ताकि देश-विदेश से आने वाले जैन श्रद्धालु बिना किसी भय के श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ तीर्थराज की वंदना कर सकें।

लोकतंत्र की दुहाई देने वाली भाजपा का असली चेहरा जनता के सामने बेनकाब : शाहदेव

रांची : झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महासचिव सह मीडिया विभाग के संयोजक लाल किशोर नाथ शाहदेव ने कहा कि बीजेपी ढोंग और लोकतंत्र बचाओ का पाखंड अब झारखंड की जनता के सामने पूरी तरह बेनकाब हो चुका है। बीजेपी के लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओ यात्रा की शुरूआत होने पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए लाल किशोर नाथ शाहदेव ने कहा कि जिस पार्टी का इतिहास ही देश भर में लोकतांत्रिक रूप से चुनी हुई सरकारों को गिराने, विधायकों की खरीद-फरोख्त करने और केंद्रीय एजेंसियों का दुरुपयोग कर सत्ता हथियाने का रहा है, आज वह लोकतंत्र की दुहाई दे रही है, यह हास्यास्पद है। लाल किशोर नाथ शाहदेव ने कहा कि भाजपा खुद देश भर में गैर-भाजपा शासित राज्यों की सरकारों को अस्थिर करने के षड्यंत्र रचती है और चोर की दाढ़ी में तिनका की तर्ज पर कांग्रेस और इंडिया गठबंधन पर ही निराधार आरोप मढ़ रही है। उन्होंने कहा कि झारखंड की जागरूक जनता ने जेएमएम-कांग्रेस गठबंधन की सरकार को पूर्ण बहुमत देकर सेवा का अवसर दिया है।

छठ महापर्व के लिए अलर्ट मोड में रांची नगर निगम

प्रकाश और सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम, समितियों के साथ समन्वय बनाकर हो रहा काम

संवाददाता



रांची : रांची नगर निगम ने छठ महापर्व को स्वच्छ, सुरक्षित और सुविधाजनक बनाने के लिए शहर के सभी 72 छठ घाटों पर व्यापक तैयारियां शुरू कर दी हैं। श्रद्धालुओं को बेहतर नागरिक सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से निगम द्वारा विशेष अभियान चलाया जा रहा है। अपर नगर आयुक्त संजय कुमार ने सभी घाटों को आठ जोन में विभाजित किया है। प्रत्येक जोन में सहायक नगर आयुक्त, सहायक लोक स्वास्थ्य पदाधिकारी, सैनिटरी इंस्पेक्टर, जोनल सुपरवाइजर और वार्ड सुपरवाइजर की प्रतिनियुक्ति की गई है। ये पदाधिकारी प्रतिदिन घाटों पर चल रहे कार्यों का निरीक्षण कर रिपोर्ट दे रहे हैं।

नगर निगम ने शहर के सभी 72 छठ घाटों और उनके संपर्क पथों की सफाई के लिए 1200 से अधिक सफाई मित्रों को लगाया है। इनके द्वारा कूड़े का उठाव, झाड़ू, ग्रास कटिंग और ब्लीचिंग पाउडर का छिड़काव किया जा रहा है। केवल घाट ही नहीं, बल्कि श्रद्धालुओं के आवागमन वाले रास्तों की भी विशेष सफाई सुनिश्चित की जा रही है ताकि श्रद्धा के साथ स्वच्छता भी बनी रहे।

रात में श्रद्धालुओं को परेशानी न हो, इसके लिए विद्युत शाखा की 25 विशेष टीमें तैनात की गई हैं। ये टीमें सभी घाटों और संपर्क मार्गों पर खराब स्ट्रीट लाइटों को ठीक कर रही हैं और जरूरत के अनुसार अतिरिक्त प्रकाश व्यवस्था कर रही हैं। सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए हॉर्टिकल्चर शाखा की 04 टीमें घाटों और रास्तों पर झुके हुए, सूखे और खतरनाक पेड़ों की शाखाओं की छंटाई कर रही हैं। इसके साथ ही गहरे पानी वाले क्षेत्रों को चिह्नित कर बांस-बल्लियों और रिबन से घेराबंदी की जा रही है। इसका उद्देश्य श्रद्धालुओं को गहरे पानी में जाने से रोकना और किसी भी संभावित दुर्घटना को रोकना है।

रांची नगर निगम सभी छठ पूजा समितियों के साथ लगातार संपर्क में है। समितियों से मिले सुझावों के आधार पर व्यवस्थाओं को बेहतर बनाया जा रहा है। निगम का कहना है कि पर्व के दौरान स्वच्छता, सुरक्षा और सुविधाएं सर्वोच्च प्राथमिकता हैं, ताकि श्रद्धालु भगवान सूर्य को पूरे श्रद्धाभाव से अर्घ्य दे सकें। किसी भी समस्या, सुझाव या शिकायत के लिए नागरिक रांची नगर निगम के 24ग7 हेल्पलाइन नंबर 1800-570-1235 पर संपर्क कर सकते हैं। छठ घाटों की सफाई में आधुनिक मशीनों का भी उपयोग किया जा रहा है। वार्ड संख्या 38 धुर्वा छोटा डैम में वीड हार्वेस्टिंग मशीन से जलकुंभी और जलीय खरपतवार हटाए जा रहे हैं। वार्ड संख्या 47 स्वर्णरेखा घाट नामकुम में दो पोकलेन मशीनों से गाद निकाली जा रही है। अन्य तालाबों में 4 जेसीबी और स्किड लोडर मशीनों के माध्यम से सफाई कार्य किए जा रहे हैं।

भाजपा की लोकतंत्र बचाओ पदयात्रा महज राजनीतिक फोटोशूट : केशव महतो कमलेश

संवाददाता



रांची : झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष केशव महतो कमलेश ने भाजपा की आयोजित ह्यलोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओह्ल पदयात्रा पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि भाजपा की यह पदयात्रा लोकतंत्र बचाने का कोई गंभीर प्रयास नहीं, बल्कि महज एक राजनीतिक फोटोशूट है। भाजपा का लोकतंत्र प्रेम पूरी तरह दिखावटी है। अगर भाजपा वास्तव में लोकतंत्र बचाना चाहती है और देश से अराजकता हटाना चाहती है, तो उसे सबसे पहले चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर उठ रहे गंभीर सवालों का जवाब देना चाहिए और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार का इस्तीफा लेने की मांग करनी चाहिए।

कमलेश ने कहा कि भाजपा को यह स्पष्ट करना चाहिए कि आखिर किस लोकतंत्र को बचाने और किस अराजकता को हटाने की बात वह कर रही है? जिस देश में मतदाताओं के मताधिकार पर सवाल उठ रहे हों, चुनाव प्रक्रिया की निष्पक्षता संदेह के घेरे में हो और विपक्ष लगातार लोकतांत्रिक संस्थाओं की जवाबदेही की मांग कर रहा हो, वहां भाजपा की पदयात्रा जनता की आंखों में धूल झोंकने के अलावा कुछ नहीं है।

उन्होंने कहा कि भाजपा एक तरफ लोकतंत्र बचाने का नारा लगाती है, दूसरी तरफ दुष्यंत कुमार और हरदीप पुरी जैसे लोगों को राज्यपाल और मंत्री जैसे संवैधानिक एवं महत्वपूर्ण पदों पर बनाए रखकर लोकतंत्र और संवैधानिक मयार्दाओं की बात करती है। भाजपा को पहले अपने राजनीतिक आचरण और सत्ता के चरित्र पर आत्ममंथन करना चाहिए, उसके बाद लोकतंत्र बचाने का उपदेश देना चाहिए।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा की राजनीति में नारा कुछ और होता है, जबकि असली मकसद कुछ और। जनता अब भाजपा के इस दोहरे चरित्र को समझ चुकी है। लोकतंत्र कोई चुनावी नारा या राजनीतिक मंच की सजावट नहीं, बल्कि जनता के मताधिकार, संवैधानिक संस्थाओं की स्वतंत्रता और जवाबदेही का नाम है।

कमलेश ने कहा कि कांग्रेस पार्टी लोकतंत्र, संविधान और जनता के मताधिकार की रक्षा के लिए सड़क से सदन तक संघर्ष करती रहेगी। भाजपा को पदयात्राओं और कैमरों के सामने लोकतंत्र बचाने का नाटक बंद कर यह बताना चाहिए कि वह चुनाव आयोग की जवाबदेही सुनिश्चित करने और लोकतांत्रिक संस्थाओं की विश्वसनीयता बहाल करने के लिए क्या ठोस कदम उठा रही है।

भाजपा को याद रखना चाहिए कि लोकतंत्र फोटो खिंचवाने से नहीं, लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा करने से बचता है। जनता को नारे नहीं, जवाब चाहिए और कांग्रेस जनता के इस सवाल को सड़क से संसद तक उठाती रहेगी।

पशुपतिनाथ मंदिर में श्रद्धा एवं भक्तिभाव के साथ संपन्न हुई सोमवारी महाआरती

रांची : बिरसा कृषि विश्वविद्यालय के प्राचीन पशुपतिनाथ मंदिर में सोमवार को महाआरती का भव्य आयोजन श्रद्धा, भक्ति एवं आध्यात्मिक उल्लास के वातावरण में संपन्न हुआ। इस अवसर पर श्रद्धालुओं ने भगवान शिव की पूजा-अर्चना कर महाआरती में भाग लिया तथा सुख, शांति एवं समृद्धि की कामना की। कार्यक्रम का शुभारंभ मंदिर के मुख्य पुजारी आचार्य सुनील कुमार पांडेय द्वारा भगवान भोलेनाथ के विधिवत पूजन एवं वैदिक मंत्रोच्चार के साथ हुआ। इसके बाद पारंपरिक विधि-विधान से भगवान शिव का अभिषेक किया गया। फूलों, बेलपत्र, चन्दन एवं अन्य पूजन सामग्रियों से बाबा भोलेनाथ का आकर्षक श्रृंगार किया गया तथा धूप, दीप, नैवेद्य अर्पित किया गया। आज की महाआरती अमलेश मिश्र- सुशीला देवी परिवार द्वारा निवेदित थी। शंखध्वनि, घंटियों की गूंज और हर-हर महादेव के जयघोष से पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया। श्रद्धालुओं ने सामूहिक रूप से भगवान शिव की आराधना की। रुद्राष्टकम के वाचन ने आध्यात्मिक वातावरण को और भी भावपूर्ण बना दिया। महाआरती में सूरज मिश्र, अंकित कुमार मिश्र, आनंद कुमार मिश्र, अमलेश चन्द्र मिश्र, राजेन्द्र शर्मा, प्रवीण कुमार दुबे, इन्द्रनाथ मुंडा, किरण देवी, ऋषभ कुमार झा, अनुराधा महली, शिवम मुंडा, रीना गोस्वामी, शताक्षी पाण्डेय, यशोहरि पाण्डेय, रवीन्द्र ठाकुर आदि लोग शामिल थे।

झारखंड हाईकोर्ट को मिली डिजिटल ताकत, सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश ने डेटा सेंटर का किया उद्घाटन

संवाददाता

रांचीः झारखंड की न्यायपालिका ने तकनीक के क्षेत्र में एक बड़ी छलांग लगाई है. अब अदालतों में न्यायिक कामकाज को अधिक तेज, पारदर्शी और सुविधाजनक बनाने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और आधुनिक डिजिटल तकनीक का इस्तेमाल किया जाएगा.

सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत ने सोमवार देर शाम रांची स्थित झारखंड हाईकोर्ट परिसर में अत्याधुनिक डेटा सेंटर का उद्घाटन किया. इसके साथ ही उन्होंने हाईकोर्ट की नई वेबसाइट, मोबाइल ऐप और छह महत्वपूर्ण डिजिटल सुविधाओं की शुरूआत की. इस पहल से न सिर्फ जजों और अधिवक्ताओं को सहूलियत मिलेगी, बल्कि आम वादियों को भी घर बैठे कई न्यायिक सेवाओं का लाभ मिल सकेगा.

आधुनिक तकनीक से न्यायिक व्यवस्था होगी मजबूत : उद्घाटन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल सीजेआई सूर्यकांत ने अपने संबोधन में कहा कि आधुनिक तकनीक के इस्तेमाल से न्यायपालिका की कार्यप्रणाली अधिक सुगम और प्रभावी होगी. इससे न्यायिक व्यवस्था में पारदर्शिता आएगी और लोगों को मिलने वाली सुविधाओं का विस्तार होगा. उन्होंने डिजिटल तकनीक को न्यायिक व्यवस्था के आधुनिकीकरण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया.

डेटा सेंटर से सुरक्षित रहेंगे न्यायिक रिकॉर्ड : करीब 35 करोड़ रुपये की लागत से तैयार डेटा सेंटर को आधुनिक तकनीकी सुविधाओं से लैस किया गया है. इसमें हाई-परफॉर्मेंस ऋ्रव सर्वर, आधुनिक नेटवर्क सुरक्षा, निर्बाध बिजली आपूर्ति, केंद्रीकृत स्टोरेज और बैकअप सिस्टम की व्यवस्था है. इसके जरिए केस इंफॉर्मेशन सिस्टम, इलेक्ट्रॉनिक न्यायिक रिकॉर्ड और वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग जैसी सेवाओं को बेहतर तरीके से संचालित किया जा सकेगा. साथ ही न्यायालयों के महत्वपूर्ण और संवेदनशील डिजिटल रिकॉर्ड की सुरक्षा भी मजबूत होगी.

जजों को मिलेगी कानूनी रिसर्च में मदद : इस डिजिटल पहल के तहत न्यायिक अधिकारियों को 'सुप्रीम टुडे एआई सॉफ्टवेयर की सुविधा भी दी जा रही है. इसकी मदद से जज पुराने फैसलों, कानूनी नजीरों और जरूरी संदर्भों को तेजी से खोज सकेंगे. इससे कानूनी शोध और आदेशों की ड्राफ्टिंग में लगने वाला समय कम करने में मदद मिलेगी. वहीं, 'ड्रैगन स्पीच रिकग्निशन सॉफ्टवेयर' के जरिए न्यायिक अधिकारी बोलकर आदेश और फैसले तैयार कर सकेंगे. इसकी खासियत यह है कि यह ऑफलाइन काम करेगा, जिससे न्यायिक दस्तावेजों की गोपनीयता बनी रहेगी.

सर्टिफाइड कॉपी के लिए अदालतों के चक्कर से मुक्ति : इस पूरी व्यवस्था का सीधा फायदा आम लोगों को मिलने वाला है. अब झारखंड के विभिन्न सिविल कोर्ट से जुड़े आदेशों और फैसलों की सर्टिफाइड कॉपी के लिए ऑनलाइन आवेदन किया जा सकेगा. इसके लिए 24 घंटे ऑनलाइन आवेदन की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है. सीजेआई सूर्यकांत ने भी अपने संबोधन में इस व्यवस्था को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि ऑनलाइन सर्टिफाइड कॉपी मिलने से आगे की अपील से जुड़ी न्यायिक प्रक्रिया में तेजी आएगी. इससे वादियों और अधिवक्ताओं को समय की बचत होगी और अनावश्यक भागदौड़ से राहत मिलेगी.

नई वेबसाइट, ऐप से घर बैठे मिलेगी जानकारी : झारखंड हाईकोर्ट की नई वेबसाइट और मोबाइल ऐप के जरिए वादी अपने मुकदमों की अद्यतन स्थिति, दैनिक आदेश और कॉज लिस्ट देख सकेंगे. अधिवक्ताओं के लिए पर्सनलाइज्ड कॉज लिस्ट की सुविधा भी उपलब्ध होगी. वे अपने नाम या रजिस्ट्रेशन नंबर के आधार पर मामलों की जानकारी हासिल कर सकेंगे और महत्वपूर्ण तारीखों को मोबाइल पर सेव कर सकेंगे. इससे मुकदमों की सुनवाई से जुड़ी जानकारी हासिल करना पहले की तुलना में आसान होगा.

इस कार्यक्रम में सुप्रीम कोर्ट के न्यायमूर्ति अपरेश कुमार सिंह, न्यायमूर्ति एस. चंद्रशेखर और झारखंड हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति एमएस सोनक समेत कई न्यायाधीश, न्यायिक पदाधिकारी, राज्य के मुख्य सचिव, महाधिवक्ता समेत बड़ी संख्या में अधिवक्ता मौजूद रहे।

डीपीएस के 24 विद्यार्थियों का मैथमेटिक्स ओलंपियाड क्वालिफायर में उत्कृष्ट प्रदर्शन



संवाददाता

रांची : दिल्ली पब्लिक स्कूल (डीपीएस), रांची ने इंडियन ओलंपियाड क्वालिफायर इन मैथमेटिक्स 2026 में अपने विद्यार्थियों के शानदार प्रदर्शन की घोषणा की है। इस प्रतिष्ठित परीक्षा में विद्यालय के कुल 24 विद्यार्थियों ने श्रेणी ह्यएह्ल और श्रेणी ह्यबीह्ल में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर विद्यालय को गौरवान्वित किया है। यह उल्लेखनीय उपलब्धि विद्यार्थियों की गणितीय प्रतिभा, विश्लेषणात्मक सोच, समर्पण और दृढ़ संकल्प को दशार्ती है। साथ ही, यह शैक्षणिक उत्कृष्टता को बढ़ावा देने के लिए विद्यालय की प्रतिबद्धता को भी रेखांकित करती है।

श्रेणी ह्यबीह्ल में कक्षा-12 के कुशाग्र कृष्ण ने 76 अंक प्राप्त कर सर्वोच्च स्थान हासिल किया। उनके बाद मोहम्मद अयान ने 45 अंक, मृदुल कृष्ण ने 43 अंक और अतुल राज ने 39 अंक प्राप्त किए।

श्रेणी ह्यएह्ल में कक्षा-10 के अनमोल कुमार ने 59 अंक प्राप्त कर सर्वाधिक अंक हासिल किए। वहीं, वत्सल आर्य ने 54 अंक और कक्षा-11 के ईशान राज ने 53 अंक प्राप्त किए। कक्षा-9 के अनिकेत लाल ने 51 अंक हासिल किए, जबकि सैयद रजीफ ने 45 अंक प्राप्त किया है। अन्य सफल विद्यार्थियों में अभिरूप सिंह, मो आरिज तौसीफ, आरजव जैन, साकेत शिवम, हर्षित उपाध्याय, आयुष्मान अग्रवाल, इवान जेसी बा, राज वर्धन, आयुष राज, कुमार समर्थ, अनुष्का, अर्श परमार, श्री श्रेयसी, पुण्या जैन और अनुप्रिया शामिल हैं। इन सभी विद्यार्थियों ने भी परीक्षा में सराहनीय प्रदर्शन किया।

इस उपलब्धि पर विद्यार्थियों को बधाई देते हुए विद्यालय की प्राचार्या डॉ जया चौहान ने कहा, मैं इंडियन ओलंपियाड क्वालिफायर इन मैथमेटिक्स 2026 में सराहनीय प्रदर्शन करने वाले सभी 24 विद्यार्थियों को हार्दिक बधाई देती हूं। उनकी सफलता उनकी मेहनत, दृढ़ संकल्प, जिज्ञासा और गणित के प्रति उनके जुनून का परिणाम है। इस प्रकार की उपलब्धियां अन्य विद्यार्थियों को भी शैक्षणिक उत्कृष्टता प्राप्त करने और आत्मविश्वास के साथ बौद्धिक चुनौतियों का सामना करने के लिए प्रेरित करती हैं। मैं इन युवा प्रतिभाओं को सफलता की राह पर मार्गदर्शन देने में हमारे समर्पित शिक्षकों के प्रयासों और अभिभावकों के सहयोग की भी सराहना करती हूं। मैं सभी विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य और आगामी शैक्षणिक प्रयासों में निरंतर सफलता की कामना करती हूं।

राजमार्गों पर आवारा पशु दिखें तो 1033 पर दें सूचना : एनएचएआई



रांची : राष्ट्रीय राजमार्गों एवं एक्सप्रेसवे पर सड़क दुर्घटनाओं को रोकने और यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (एनएचएआई) ने आम नागरिकों एवं वाहन चालकों से विशेष अपील की है। प्राधिकरण ने कहा है कि राष्ट्रीय राजमार्गों पर कहीं भी आवारा पशु या अन्य जानवर दिखाई दें तो तत्काल हेल्पलाइन नंबर 1033 पर इसकी सूचना दें।

एनएचएआई के अनुसार, समय पर सूचना मिलने से संबंधित अधिकारियों और टीमों को मौके पर भेजकर आवश्यक कार्रवाई की जा सकती है। इससे राजमार्गों पर आवारा पशुओं की मौजूदगी से होने वाली दुर्घटनाओं की आशंका को कम करने में मदद मिलेगी। इस पहल का उद्देश्य यात्रियों की सुरक्षित और सुगम यात्रा सुनिश्चित करना है।

एनएचएआई के क्षेत्रीय अधिकारी संतोष कुमार आर्य ने कहा कि राष्ट्रीय राजमार्गों पर आवारा पशुओं की मौजूदगी सड़क दुर्घटनाओं का प्रमुख कारण बन सकती है। ऐसे में वाहन चालकों और आम नागरिकों की सक्रिय भागीदारी बेहद जरूरी है। उन्होंने सभी सड़क उपयोगकताओं से अपील की कि राजमार्गों पर आवारा पशु दिखाई देने पर बिना देर किए 1033 पर सूचना दें, ताकि समय रहते कार्रवाई की जा सके।

तीन दिवसीय झारखंड दौरे पर आ रहे हैं प्रदेश प्रभारी राहुल गांधी के दौरे की डेट को कंफर्म करेंगे के. राजू



रांचीः झारखंड कांग्रेस के प्रभारी एवं अक्छउ के स्थायी विशेष आमंत्रित सदस्य के. राजू 4 नवम्बर से 3 दिवसीय झारखंड दौरे पर रांची आ रहे हैं. 4 नवम्बर से 6 नवम्बर तक के. राजू रांची में विभिन्न विषयों पर पार्टी पदाधिकारियों के साथ बैठक करेंगे.

3 दिवसीय झारखंड दौरा : दौरे की जानकारी देते हुए झारखंड कांग्रेस के प्रदेश प्रवक्ता सोनाल शांति ने कहा कि प्रदेश प्रभारी के 3 दिवसीय दौरे में झारखंड में खाली पड़े बोर्ड, निगम आयोग को भरने के लिए योग्य लोगों के चयन के लिए बनी कमेटी के साथ बैठक करेंगे और राहुल गांधी के इसी महीने के तीसरे सप्ताह में झारखंड दौरे की तैयारियों का जायजा भी लेंगे.

राहुल गांधी के दौरे की डेट घोषित कर सकते हैं के. राजू : सोनाल शांति ने बताया कि 4 नवम्बर को प्रदेश कांग्रेस प्रभारी बैठक के बाद राहुल गांधी के दौरे की तिथि भी घोषित कर सकते हैं. अपने 3 दिवसीय झारखंड दौरे का दूसरा सबसे अहम विषय राज्य में लंबित या खाली पड़े बोर्ड निगम और आयोग के पुनर्गठन को लेकर है. कांग्रेस की सूची को अंतिम रूप देने के लिए के. राजू कांग्रेस की बोर्ड निगम को लेकर बनी कमेटी के साथ बैठक करेंगे. 5 नवंबर को प्रभारी ने इसके लिए गठित पार्टी की कमेटी की अहम स्टेट गेस्ट हाउस में बुलाई है.

कांग्रेस प्रभारी का दौरा काफी अहम : पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता ने बताया कि इस बैठक के बाद बोर्ड, निगम और आयोगों के लिए प्राप्त आवेदनों के आधार पर नाम तय कर केंद्रीय नेतृत्व को भेजा जा सकता है. कांग्रेस प्रभारी के. राजू का ये दौरा इन दोनों वजह से काफी अहम बताया जा रहा है. मिली जानकारी और कांग्रेस सूत्रों की माने तो राहुल गांधी 18 या 19 नवंबर को झारखंड आ सकते हैं, इसलिए अपने इस दौरे में प्रभारी अहम घोषणा भी कर सकते हैं।

विदेश में छिपे झारखंड के दो मोस्टवांटेड गैंगस्टरों पर शिकंजा

राहुल सिंह और राहुल दुबे के खिलाफ रेड कॉर्नर नोटिस जारी

संवाददाता

301

रांची: झारखंड में संगठित अपराध और रंगदारी के सिंडिकेट को ध्वस्त करने के लिए पुलिस मुख्यालय ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बड़ी कार्रवाई की है। राज्य के दो सबसे बड़े सिरदर्द बन चुके गैंगस्टरों राहुल सिंह और राहुल दुबे के खिलाफ इंटरपोल ने रेड कॉर्नर नोटिस जारी कर दिया है। आईजी अभियान नरेंद्र सिंह ने इस कार्रवाई की आधिकारिक पुष्टि की है। ये दोनों अपराधी फिलहाल विदेशों में छिपे हैं और वहीं से डिजिटल माध्यमों के जरिए झारखंड में जबरन वसूली, धमकी और गोलाबारी का नेटवर्क ऑपरेट कर रहे हैं।

विदेश से ऑपरेट हो रहा था झारखंड में रंगदारी का सिंडिकेट : पुलिस जांच में सामने आया है कि राहुल सिंह और राहुल दुबे विदेश में सुरक्षित बैठकर स्थानीय गुर्गों, शूटरों और हथियार सप्लायरों को निर्देश देते थे। इनके निशाने पर मुख्य रूप से झारखंड के बड़े कारोबारी,



कोयला व्यापारी, ठेकेदार और कंस्ट्रक्शन कंपनियां रहती हैं। रंगदारी (लेवी) न देने पर ये अपराधी साइटों पर फायरिंग करवाकर दहशत फैलाते थे। सीधे तौर पर पुलिस की पहुंच से दूर होने के कारण ये अब तक बच रहे थे, लेकिन रेड कॉर्नर नोटिस जारी होने के बाद अब अंतरराष्ट्रीय सुरक्षा एजेंसियां इन्हें दबोचने में भारत की मदद करेंगी।

अमन साहू के एनकाउंटर के बाद राहुल सिंह ने संभाली कमान : राहुल सिंह कभी झारखंड के कुख्यात गैंगस्टर अमन साहू के गिरोह का मुख्य सिपहसालार हुआ करता था। मार्च 2025 में पुलिस मुठभेड़ में अमन साहू के मारे जाने के बाद राहुल सिंह ने इस गिरोह की कमान अपने हाथों में ले ली। वर्तमान में उसका नेटवर्क रांची, रामगढ़, पलामू, बोकारो, चतरा, हजारीबाग और लातेहार जैसे कई औद्योगिक और कोयलांचल जिलों में फैला हुआ है। इसके गुर्गे लगातार विकास कार्यों और आर्थिक गतिविधियों को बाधित करने की कोशिश कर रहे हैं।

हजारीबाग होटल फायरिंग और रांची एनकाउंटर में राहुल दुबे का हाथ : दूसरी ओर, राहुल दुबे का गिरोह भी पुलिस के लिए बड़ी चुनौती बना हुआ है। हाल ही में 29 अक्टूबर की रात हजारीबाग के मटवारी स्थित 'एके इंटरनेशनल होटल' पर ताबड़तोड़ फायरिंग की गई थी। इस घटना के तुरंत बाद सोशल मीडिया पर राहुल दुबे के नाम से पोस्ट डालकर जिम्मेदारी ली गई और होटल संचालक को धमकी दी गई। इसके जवाब में रांची पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 30 अक्टूबर को एक भीषण एनकाउंटर के बाद इस गिरोह के 5 शूटरों और मुख्य हथियार सप्लायर जियाउल हबीब को गिरफ्तार कर लिया।

लोकल नेटवर्क ध्वस्त, अब अपराधियों के प्रत्यर्पण की तैयारी : झारखंड पुलिस की रणनीति साफ है पहले स्थानीय स्तर पर गैंग्स के रीढ़ की हड्डी (लोकल शूटर और मददगार) को तोड़ना और फिर मुख्य सरगना तक पहुंचना। इंटरपोल द्वारा रेड कॉर्नर नोटिस जारी होने के बाद, ये दोनों अपराधी जिस भी देश में होंगे, वहां की स्थानीय पुलिस इन्हें अस्थायी रूप से गिरफ्तार कर सकती है। इसके बाद भारत सरकार और झारखंड पुलिस इनके प्रत्यर्पण की कानूनी प्रक्रिया शुरू कर इन्हें वापस भारत लाएगी।

एनएचएम, पीएचआईए फाउंडेशन और भारतीय विकास ट्रस्ट के बीच हुआ समझौता



रांची : झारखंड में स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने और आधुनिक चिकित्सा तकनीकों को बढ़ावा देने की दिशा में सोमवार को महत्वपूर्ण पहल की गई। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम), झारखंड, पीएचआईए फाउंडेशन और भारतीय विकास ट्रस्ट के बीच रांची स्थित आरसीएच सभागार में समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। इस समझौते के तहत राज्य के चयनित स्वास्थ्य केंद्रों में नई स्वास्थ्य तकनीकों और चिकित्सा उपकरणों का परीक्षण किया जाएगा।

इस पहल के तहत जिला स्वास्थ्य परीक्षण योजना संचालित की जाएगी। इसके माध्यम से यह आकलन किया जाएगा कि नई तकनीकें ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने में कितनी उपयोगी साबित हो सकती हैं। साथ ही स्थानीय परिस्थितियों, स्वास्थ्य केंद्रों की जरूरतों और उपलब्ध संसाधनों के आधार पर उनकी उपयोगिता की जांच की जाएगी। यह पहल राज्य के पांच जिलों साहिबगंज, पश्चिमी सिंहभूम, खूंटी, कोडरमा और सरायकेला-खरसावां में संचालित होगी।

इस अवसर पर एनएचएम झारखंड के मिशन निदेशक शशि प्रकाश झा ने पहल की सराहना करते हुए कहा कि चिकित्सा तकनीकों का चयन और उपयोग स्थानीय परिस्थितियों तथा स्वास्थ्य केंद्रों की वास्तविक जरूरतों को ध्यान में रखकर किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि ऐसी तकनीकें अपनाई जानी चाहिए, जो संबंधित जिलों की स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियों का समाधान करने में कारगर हों। इस साझेदारी का उद्देश्य नई चिकित्सा तकनीकों की पहचान, उनका व्यावहारिक परीक्षण और प्राप्त अनुभवों के आधार पर भविष्य में उन्हें राज्य के अन्य क्षेत्रों में भी लागू करने की संभावनाएं तलाशना है। इससे झारखंड की स्वास्थ्य व्यवस्था को अधिक प्रभावी और सुविधाजनक बनाने में मदद मिलेगी।

झारखंड आंदोलनकारियों के अधिकारों के लिए 15 नवंबर से शुरू होगा ह्यलगुलान एक क्रांति कार्यक्रम

रांची : झारखंड आंदोलनकारियों के हक-अधिकार, सम्मानजनक पेंशन और उनके बच्चों को शत-प्रतिशत नौकरी देने की मांग को लेकर झारखंड आंदोलनकारी संघर्ष मोर्चा 15 नवंबर 2026 से ह्यउलगुलान एक क्रांतिह्न कार्यक्रम शुरू करेगा। इसकी घोषणा रविवार को कांके के सुंदर नगर में आयोजित रांची जिला स्तरीय बैठक में मोर्चा के संस्थापक प्रधान सचिव पुष्कर महतो ने की। इस मौके पर पुष्कर महतो ने कहा कि कार्यक्रम के तहत 45 आंदोलनकारी अनिश्चितकालीन आमरण अनशन पर बैठेंगे। झारखंड आंदोलनकारियों और झारखंडियों के अस्तित्व, अस्मिता एवं पहचान को मिटने नहीं दिया जाएगा। अबुआ राज की परिकल्पना को साकार करना सभी झारखंडियों की जिम्मेदारी है। इसी संकल्प के साथ 15 नवंबर को पारंपरिक वाद्ययंत्रों और शस्त्रों के साथ आंदोलनकारी रांची के बिरसा चौक पहुंचकर आंदोलन का आगाज करेंगे। बैठक में दक्षिणी छोटानागपुर प्रमंडल के प्रभारी अनथन लकड़ा ने कहा कि आंदोलनकारी अपने बच्चों के अधिकारों की रक्षा के लिए अंतिम सांस तक संघर्ष करेंगे। बैठक की अध्यक्षता कर रहे विनीत लकड़ा ने कहा कि झारखंड के मूल्यों और पहचान की रक्षा के लिए 15 नवंबर से आंदोलन तेज किया जाएगा।

दीपावली और छठ पर रांची से झंझारपुर के लिए चलेगी स्पेशल ट्रेन, 5 नवंबर से लगेंगे तीन फेरे

रांची: दीपावली और छठ पर्व के दौरान यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को देखते हुए रेलवे ने राउरकेला से झंझारपुर के बीच स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया है। इस ट्रेन का लाभ रांची के यात्रियों को भी मिलेगा। ट्रेन हटिया और रांची होते हुए गुजरेगी। इससे बिहार जाने वाले यात्रियों को त्योहार के दौरान अतिरिक्त रेल सुविधा मिलेगी। दक्षिण पूर्व रेलवे के रांची मंडल की ओर से सोमवार को इसकी जानकारी दी गई।

ट्रेन संख्या 08105 राउरकेला-झंझारपुर स्पेशल 5 नवंबर से 19 नवंबर तक प्रत्येक गुरुवार को चलेगी। इस दौरान इसके कुल तीन फेरे होंगे। ट्रेन राउरकेला से शाम 7 बजे रवाना होगी और रात 10:15 बजे हटिया पहुंचेगी। यहां से 10:20 बजे प्रस्थान कर रात 10:35 बजे रांची पहुंचेगी। रांची स्टेशन पर 10 मिनट ठहराव के बाद ट्रेन रात 10:45 बजे आगे के लिए रवाना होगी। इसके बाद मूरी, बोकारो स्टील सिटी, धनबाद, चित्तरंजन और जसीडीह होते हुए अगले दिन झंझारपुर पहुंचेगी। झंझारपुर पहुंचने का निर्धारित समय शुक्रवार शाम 5 बजे है।

वापसी में ट्रेन संख्या 08106 झंझारपुर-राउरकेला स्पेशल 6 नवंबर से 20 नवंबर तक प्रत्येक शुक्रवार को चलेगी। इसके भी कुल तीन फेरे निर्धारित किए गए हैं। ट्रेन झंझारपुर से रात 9 बजे रवाना होगी। अगले दिन दोपहर 2:20 बजे रांची पहुंचेगी। यहां 10 मिनट ठहराव के बाद दोपहर 2:30 बजे रवाना होगी और 2:45 बजे हटिया पहुंचेगी। इसके बाद बानो होते हुए शनिवार शाम 7 बजे राउरकेला पहुंचेगी।

17 कोच की होगी ट्रेन : इस स्पेशल ट्रेन में कुल 17 कोच लगाए जाएंगे। इनमें वातानुकूलित श्री टियर के दो, स्लीपर श्रेणी के 11, सामान्य श्रेणी के दो और एसएलआरडी के दो कोच शामिल हैं। त्योहार के दौरान बिहार की ओर जाने और वहां से लौटने वाले यात्रियों को इस ट्रेन से अतिरिक्त विकल्प मिलेगा।

बीआईटी मेसरा लालपुर में ट्यून टिंट कार्यक्रम आयोजित, विजेताओं को मिला पुरस्कार

संवाददाता



रांची : बीआईटी मेसरा लालपुर के तत्वावधान में वीपीए सोसाइटी की ओर से आयोजित ट्यून टिंट कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने अपनी कलात्मक प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में प्रतिभागियों ने गीतों के सुरों और भावनाओं को चित्रों के माध्यम से रंगों में उकेरा। विभिन्न रंगों के माध्यम से बनाई गई आकर्षक कलाकृतियों ने उपस्थित लोगों का ध्यान आकर्षित किया।

कार्यक्रम में संस्थान के निदेशक डॉ विजय कुमार झा मुख्य रूप से शामिल हुए। उन्होंने विद्यार्थियों की कलाकृतियों का अवलोकन करते हुए कहा कि आज के युवाओं में प्रतिभा और हुनर की कोई कमी नहीं है। जरूरत केवल उन्हें उचित मंच और अवसर प्रदान करने की है। उन्होंने इस तरह के रचनात्मक आयोजन के लिए सोसाइटी की सराहना करते हुए शुभकामनाएं दीं। सोसाइटी की संयोजक डॉ। अमृता प्रियम ने सभी प्रतिभागियों की प्रतिभा की सराहना की और विजेताओं को आशीर्वाद देते हुए उनका उत्साह बढ़ाया। इस अवसर पर निदेशक डॉ। विजय कुमार झा ने विजेताओं को पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया। प्रतियोगिता में रिया शर्मा, अनुराधा, केशव शर्मा, ऋषभ और नेहा शर्मा ने विजेता के रूप में अपनी पहचान बनाई। कार्यक्रम में डॉ। मिली दत्ता, डॉ। महुआ बनर्जी, डॉ। मानसी गुप्ता, डॉ। उमेश प्रसाद, डॉ। नंदन, नरेंद्र कुमार, डॉ। संदीप शाहदेव, राणा प्रताप, राजेश, अजय, सोनी, आकांक्षा, राजवीर, आयुषी और संचिता सहित बड़ी संख्या में शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित थे।

पीए-पीएस एसोसिएशन के प्रतिनिधिमंडल ने विधानसभा अध्यक्ष से की मुलाकात



संवाददाता

रांची : पीए-पीएस एसोसिएशन के प्रतिनिधिमंडल ने सोमवार को अध्यक्ष दीपेश कुमार निराला के नेतृत्व में झारखंड विधानसभा के अध्यक्ष रवींद्रनाथ महतो से औपचारिक मुलाकात की। इस दौरान प्रतिनिधिमंडल ने अध्यक्ष को पुष्पगुच्छ, अंगवस्त्र और संस्था का प्रतीक चिह्न भेंट कर सम्मानित किया। साथ ही एसोसिएशन के गठन, उद्देश्य और गतिविधियों की जानकारी दी।

प्रतिनिधिमंडल ने विधानसभा अध्यक्ष को बताया कि झारखंड के सभी विधायकों, मंत्रियों और सांसदों के कार्यरत निजी सहायकों एवं आप्त सचिवों के लिए एक साझा मंच तैयार किया गया है। इस मंच से जनप्रतिनिधियों से जुड़े विधायी कार्यों और सदन की गतिविधियों के संचालन में सहयोग करने वाले निजी सहायक एवं आप्त सचिव जुड़े हुए हैं। एसोसिएशन का उद्देश्य सभी सदस्यों को एक मंच पर लाकर आपसी समन्वय और कार्यक्षमता को मजबूत करना है। इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष रवींद्रनाथ महतो ने एसोसिएशन के प्रयासों की सराहना करते हुए प्रतिनिधिमंडल को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने अपने विधायक जीवन से जुड़े विभिन्न अनुभव भी सदस्यों के साथ साझा किए। मुलाकात के दौरान एसोसिएशन के अध्यक्ष दीपेश कुमार निराला, उपाध्यक्ष विजय श्री, महासचिव पवन कुमार सिन्हा, कोषाध्यक्ष संजीव कुमार गुप्ता, सचिव दिनेश चंद्र प्रमाणिक एवं निर्भय कुमार, आलोक कुमार झा, संयुक्त सचिव समीर महतो तथा सदस्य मनीष कुमार, कैलाश प्रसाद, इस्तेयाक आलम और आदित्य राज गोल्डी सहित अन्य लोग उपस्थित थे।

हाईकोर्ट के फैसले से व्यापारियों को मिली बड़ी राहतः मुकेश अग्रवाल

संवाददाता

रांची : झारखंड हाईकोर्ट ने रांची के अपर बाजार स्थित जालान रोड की जमीन और दुकानों का लीज रद्द करने तथा उन्हें खाली कराने के रांची नगर निगम के आदेशों को निरस्त कर दिया है। न्यायमूर्ति संजय कुमार द्विवेदी की पीठ ने निगम की कार्रवाई को पर्याप्त कारणों के अभाव में पारित मानते हुए सभी आठ याचिकाकताओं की रिट याचिकाएं स्वीकार कर लीं। अदालत के इस फैसले से किरण देवी मोदी समेत आठ याचिकाकताओं को बड़ी राहत मिली है। अदालत ने मामले को नए सिरे से निर्णय लेने के लिए रांची नगर निगम के पास वापस भेज दिया है। निगम को निर्देश दिया गया है कि सभी संबंधित पक्षों को सुनवाई का उचित अवसर दिया जाए। उनके तर्कों और प्रस्तुत दस्तावेजों पर विचार करने के बाद तर्कसंगत आदेश पारित किया जाए। यह पूरी प्रक्रिया अदालत के आदेश की प्रति प्राप्त होने के 12 सप्ताह के भीतर पूरी करनी होगी। इस फैसले पर झारखंड चैंबर ऑफ कॉमर्स के लैड रिफॉर्म उपसमिति के चेयरमैन सह रांची नगर निगम किरायेदार संघ के अध्यक्ष मुकेश अग्रवाल ने खुशी जताई है। उन्होंने कहा कि हाईकोर्ट के फैसले से जालान रोड के दुकानदारों और किरायेदारों को बड़ी राहत मिली है। किसी भी व्यापारी या किरायेदार के खिलाफ कार्रवाई करने से पहले उसे अपना पक्ष रखने का उचित अवसर मिलना चाहिए। न्यायालय ने भी निष्पक्ष सुनवाई और दस्तावेजों के आधार पर नए सिरे से निर्णय लेने का निर्देश दिया है।

मुकेश अग्रवाल ने कहा कि अपर बाजार रांची का प्रमुख व्यावसायिक क्षेत्र है और यहां बड़ी संख्या में व्यापारी वर्षों से अपना कारोबार कर रहे हैं। ऐसे में दुकानों और जमीन से जुड़े मामलों में किसी भी कार्रवाई से व्यापारियों की आजीविका प्रभावित होती है। इसलिए जरूरी है कि नगर निगम सभी संबंधित पक्षों की बात सुने और कानूनी प्रक्रिया का पालन करते हुए ही निर्णय ले। उन्होंने उम्मीद जताई कि नगर निगम हाईकोर्ट के निदेशों का पालन करते हुए सभी पक्षों को सुनवाई का पर्याप्त अवसर देगा और मामले का निष्पक्ष एवं न्यायसंगत समाधान निकालेगा।

स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग
कार्यालय : असैनिक शल्य चिकित्सक सह मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी, राँची
(जिला कार्यान्वयन इकाई- आयुष्मान भारत- मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना)

आयुष्मान भारत-मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना (AB-MMJAY) तथा मुख्यमंत्री अबुआ स्वास्थ्य सुरक्षा योजना (MM-ASSY) के तहत् सभी स्वास्थ्य सहीया, आंगनबाड़ी सेविका एवं सहायिका के लिए आवश्यक सूचना

जिले के सभी स्वास्थ्य सहीया, आंगनबाड़ी सेविका एवं सहायिका से अपील की जाती है कि वे आयुष्मान भारत–मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना (AB-PMJAY) तथा मुख्यमंत्री अबुआ स्वास्थ्य सुरक्षा योजना (MM-ASSY) के अंतर्गत अपना आयुष्मान कार्ड अवश्य बनवाएं तथा योजना के तहत् उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ लें। आयुष्मान भारत योजना का उद्देश्य पात्र परिवारों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना है। योजना के अंतर्गत पात्र लाभार्थी सूचीबद्ध सरकारी एवं निजी अस्पतालों में निर्धारित स्वास्थ्य उपचार एवं चिकित्सा सुविधाओं का लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

सभी स्वास्थ्य सहीया, आंगनबाड़ी सेविका एवं सहायिका स्वयं https://beneficiary.nha.gov.in में जाकर या आयुष्मान app (Ayushman App) डाउनलोड कर या अपने नजदीकी प्रज्ञा केंद्र (CSC), सदर अस्पताल, अनुमण्डलीय अस्पताल, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, आयुष्मान भारत योजना के तहत् सूचीबद्ध अस्पताल अथवा अधिकृत आयुष्मान मित्र से संपर्क कर आयुष्मान कार्ड बना सकते हैं।

जिला प्रशासन एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा सभी सहीया, आंगनबाड़ी सेविका एवं सहायिका कार्मिकों से अपील की जाती है कि वे इस अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाते हुए स्वयं का आयुष्मान कार्ड बनवाएं और योजना का लाभ उठाएं।

नोट :– सभी आम–जनता/मरीजों से अनुरोध हैं कि अपना ईलाज पंजीकृत संस्थानों से ही करायें।

असैनिक शल्य चिकित्सक सह
मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी, राँची

PR 393105 Health Med Edu and Family Welfare (26-27)_D

उपायुक्त-सह-जिला दण्डाधिकारी का कार्यालय, रामगढ़
(झारखण्ड गृह रक्षा वाहिनी)
दूरभाष : 06553- 261555, Email ID: dc-ramgarh@gov.in

आवश्यक सूचना

झारखण्ड गृह रक्षा वाहिनी, रामगढ़ के विज्ञापन संख्या–01/2026 के तहत गृह रक्षकों के नव–नामांकन प्रक्रिया में पतरातु प्रखण्ड के महिला एवं रामगढ़ प्रखण्ड के महिला/पुरूष अभ्यर्थियों की शारीरिक जाँच एवं लिखित परीक्षा दिनांक–29.10.2026 से 30.10.2026 को निर्धारित की गई थी। रामगढ़ क्षेत्र में सक्रिय चक्रवाती तुफान एवं लगातार हो रही मुसलाधार बारिश के कारण उत्पन्न प्रतिकूल मौसम व जलगराव को देखते हुए पतरातु प्रखण्ड के महिला एवं रामगढ़ प्रखण्ड के महिला/पुरूष अभ्यर्थियों की शारीरिक जाँच एवं लिखित परीक्षा अगले आदेश तक स्थगित की गई थी।

उपरोक्त के सम्यक् विचारोपरान्त समिति द्वारा पतरातु प्रखण्ड के महिला एवं रामगढ़ प्रखण्ड के महिला/पुरूष अभ्यर्थियों की शारीरिक जाँच एवं लिखित परीक्षा की संशोधित तिथि निम्न प्रकार से निर्धारित की जाती है:–

क्र0सं0	तिथि	समय	प्रखण्ड/शहरी क्षेत्र	परीक्षा केन्द्र
1	03.11.2026	प्रातः 05:00 बजे	(क) गैर तकनीकी (पुरूष)	सिद्धू कान्हू मैदान, रामगढ़
2		प्रातः 08:00 बजे	(ख) रामगढ़ (पुरूष)	
3	04.11.2026	प्रातः 05:00 बजे	(क) गैर तकनीकी (महिला)	
4		प्रातः 08:00 बजे	(ख) रामगढ़ (महिला)	
5	06.11.2026	प्रातः 05:00 बजे	पतरातु (महिला)	

विज्ञापन संख्या–01/2026 अन्तर्गत अन्य अभ्यर्थी पूर्व में निर्धारित तिथि समय एवं परीक्षा केन्द्र पर अपने–अपने प्रखण्ड एवं शहरी क्षेत्र अनुसार शारीरिक जाँच एवं लिखित परीक्षा हेतु उपस्थित होना सुनिश्चित करेंगे।

ह०/–
जिला समादेश्टा,
रामगढ़ (सदस्य)

PR 393132 District (26-27) D"

स्वास्थ्य, चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग
कार्यालय : असैनिक शल्य चिकित्सक सह मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी, राँची
(जिला कार्यान्वयन इकाई- आयुष्मान भारत- मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना)

आयुष्मान भारत-मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना (AB-MMJAY) के तहत् आवश्यक सूचना

आप सभी जिलावासियों को सूचित किया जाता हैं कि राज्य सरकार द्वारा 70 वर्ष एवं उससे अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिकों को बेहतर स्वास्थ्य सुरक्षा उपलबध कराने के उद्देश्य से आयुष्मान भारत–मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना (AB-PMJAY) के अंतर्गत आयुष्मान वय वंदना कार्ड की सुविधा प्रदान की जा रही है। इस योजना के अंतर्गत 70 वर्ष या उससे अधिक आयु के सभी वरिष्ठ नागरिक उनकी सामाजिक–आर्थिक स्थिति की परवाह किए बिना, स्वास्थ्य उपचार के लिए प्रति परिवारपात्र लाभार्थी ₹5 लाख तक के स्वास्थ्य कवरेज का लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

इस योजना का लाभ लेने के लिए आयुष्मान app (Ayushman App) डाउनलोड कर वय वंदना पंजीकरण चुनें और आधार ई–केवाईसी (e-kyc) पूरा करके आवेदन कर सकते हैं, अथवा अपने नजदीकी सदर अस्पताल, अनुमण्डलीय अस्पताल, सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, प्रज्ञा केन्द्र (CSC) या आयुष्मान भारत योजना के तहत् सूचीबद्ध अस्पताल में आधार कार्ड एवं आधार कार्ड से लिंक मोबाईल ले जाकर आयुष्मान वय वंदना कार्ड भी बना सकते हैं।

आयुष्मान वय वंदना कार्ड के प्रमुख लाभ :–
- ☑ 70 वर्ष या उससे अधिक आयु के वरिष्ठ नागरिक पात्र हैं।
- ☑ सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति की परवाह किए बिना लाभ।
- ☑ सूचीबद्ध अस्पतालों में उपचार की सुविधा।
- ☑ अनेक गंभीर बीमारियों एवं उपचार प्रक्रियाओं का कवरेज।
- ☑ पहले से मौजूद बीमारियों के लिए भी कवरेज उपलब्ध।

नोट :– सभी आम–जनता/मरीजों से अनुरोध हैं कि अपना ईलाज पंजीकृत संस्थानों से ही करायें।

असैनिक शल्य चिकित्सक सह
मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी, राँची

PR 393102 Health Med Edu and Family Welfare (26-27)_D

सुविचार

सबसे मुश्किल रास्ता वह होता है जब आपको अकेले चलना पड़ता है, लेकिन वही रास्ता आपको मजबूत भी बनाता है।

सियासी शक्ति प्रदर्शन की कीमत चुका रहे दिल्ली के व्यापारी

धनतेरस, दीपावली और भाईदूज! देश के व्यापारियों के लिए सालभर की कमाई का सबसे महत्वपूर्ण समय। बाजारों में ग्राहकों की भीड़, दुकानों पर खरीदारी की रौनक, गोदामों से निकलता सामान, सड़कों पर दौड़ते मालवाहक वाहन और दिन-रात मेहनत करते हजारों मजदूर। दिल्ली के बाजार भी इसी कारोबारी उत्साह के साथ त्योहारों का स्वागत कर रहे हैं, तभी इसी निर्णायक कारोबारी दौर में राहुल गांधी के नेतृत्व में इंडिया गठबंधन की महारैली ने दिल्ली के प्रमुख बाजारों की रफ्तार पर ऐसा ब्रेक लगाया कि व्यापारियों के सामने दुकानें खोलने और ग्राहकों तक पहुंचने का संकट खड़ा हो गया। चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री (सीटीआई) का दावा है कि रैली के चलते करीब 2.5 लाख दुकानें बंद रहीं और लगभग 11 हजार करोड़ रुपये के कारोबार पर चोट पहुंची। प्रश्न राहुल गांधी से सीधा है, अपनी राजनीतिक ताकत दिखाने के लिए आयोजित इस रैली की आर्थिक कीमत आखिर दिल्ली के व्यापारी, दुकानदार और रोज कमाकर परिवार पालने वाले मजदूर क्यों चुकाएं? लोकतंत्र में अपनी बात जनता तक पहुंचाने, सरकार का विरोध करने और राजनीतिक शक्ति का प्रदर्शन करने के लिए सभाएं होनी चाहिए, मगर क्या लोकतांत्रिक अभिव्यक्ति के इस अधिकार का अर्थ यह है कि शहर की आर्थिक गतिविधियों को ठप करने की कीमत आम नागरिकों से वसूली जाए? जिस समय दिल्ली के बाजारों में ग्राहकों की सबसे अधिक आवाजाही होनी चाहिए थी, उस समय व्यापारियों को दुकानें बंद रखने, ग्राहकों के इंतजार और माल की आपूर्ति बाधित होने जैसी परिस्थितियों से जूझना पड़ा। सीटीआई के चेयरमैन बृजेश गोयल ने इस संकट ओर ध्यान भी पहले दिला दिया था कि रामलीला मैदान के आसपास पांच किलोमीटर के दायरे में सदर बाजार, चांदनी चौक, खारी बावली, नया बाजार, कश्मीरी गेट और भगीरथ पैलेस सहित 22 से 25 प्रमुख बाजार आते हैं। इन बाजारों में लगभग तीन लाख दुकानें हैं, जिनमें से करीब 2.5 लाख दुकानें हैं, ऐसे में कृपया अभी यहां रैली न की जाए, पर व्यापारियों के हित की बात कांग्रेस को कहां सुनाई देनी थी? सबसे गंभीर बात यह है कि सदर बाजार से देशभर में घरेलू सामान की आपूर्ति होती है, चांदनी चौक कपड़ों और आभूषणों का बड़ा केंद्र है, खारी बावली मसालों और सूखे मेवों के कारोबार के लिए प्रसिद्ध है और भगीरथ पैलेस इलेक्ट्रॉनिक सामान का महत्वपूर्ण बाजार है। इन बाजारों से देश के विभिन्न राज्यों के हजारों छोटे-बड़े व्यापारी जुड़े हैं। रैली से पहले लगभग दस लाख लोगों के जुटने और 15 से 20 हजार वाहनों के दिल्ली पहुंचने की आशंका ने ही व्यापारिक क्षेत्रों में अनिश्चितता पैदा कर दी थी। सुरक्षा व्यवस्था, बैरिकेडिंग, रास्तों में बदलाव और संभावित जाम की खबरों से बाजार आने वाले ग्राहकों ने अपनी खरीदारी की योजना टाल दी। राहुल गांधी ने रैली के दौरान लोगों से दिल्ली के बाजारों में जाकर खरीदारी करने और व्यापारियों का समर्थन करने की अपील की। सुनने में यह बात अच्छी लगती है, मगर इसकी जमीनी हकीकत पर भी विचार होना चाहिए। जब करीब 80 प्रतिशत दुकानें बंद थीं, बाजारों तक पहुंचने के रास्ते प्रभावित थे और ग्राहक आने से बच रहे थे, तब खरीदारी की अपील का वास्तविक अर्थ क्या रह जाता है? वास्तव में व्यापारियों का सवाल भी यही था कि जब दुकानें ही बंद थीं तो ग्राहक खरीदारी कहां करते? राजनीतिक मंच से व्यापारियों के प्रति सहानुभूति जताना और उनकी वास्तविक कारोबारी परिस्थितियों को समझना दो अलग-अलग बातें हैं। सीटीआई ने रैली वाले दिन कारोबार सामान्य पीक सीजन की तुलना में 15 से 20 प्रतिशत तक सिमटने की बात कही है। लगभग 11 हजार करोड़ रुपये के कारोबार को नुकसान हुआ है। अब इससे जुड़ी आर्थिक चिंता को खारिज करना भी संभव नहीं है। क्योंकि छोटे दुकानदारों के लिए त्योहारों की बिक्री महज मुनाफा कमाने का अवसर नहीं होती, यह उनके पूरे साल के वित्तीय प्रबंधन का महत्वपूर्ण आधार होती है। कई कारोबारी उधार पर माल खरीदते हैं। त्योहारों में होने वाली बिक्री से आपूर्तिकताओं का भुगतान करते हैं, कर्मचारियों का वेतन देते हैं और अगली खेप के लिए पूंजी जुटाते हैं। बिक्री के महत्वपूर्ण दिन निकल जाने पर उनकी आर्थिक गणना बिगड़ जाती है। त्योहार बीतने के बाद कई वस्तुओं की मांग तेजी से घट जाती है। इस रैली की कीमत उन लोगों ने भी चुकाई, जिनकी आवाज राजनीतिक मंचों तक शायद ही कभी पहुंचती है। दिल्ली के बाजारों में माल उतारने, पैकिंग करने, सामान पहुंचाने और गोदामों में काम करने वाले हजारों मजदूर रोज की कमाई पर निर्भर रहते हैं। सामान्य त्योहारी दिनों में इन बाजारों में चार लाख से अधिक मजदूरों को काम मिलता है, जबकि रैली वाले दिन काम करने वालों की संख्या एक लाख से कम रह गई। उत्तर प्रदेश, बिहार और राजस्थान से आए मजदूर त्योहारों के दिनों में अतिरिक्त मेहनत करके अपने परिवारों के लिए कुछ अधिक कमाने की उम्मीद रखते हैं। किसी को बच्चों की फीस भरनी है, किसी को घर का खर्च भेजना है और किसी को कर्ज की किस्त चुकानी है। बाजार में काम ठप हुआ तो इनकी कमाई भी ठप हो गई। जो मजदूर सुबह काम की उम्मीद लेकर पहुंचे, उनमें से कई को खाली हाथ लौटना पड़ा। राजनीतिक रैली के मंच पर गरीबों और मजदूरों के अधिकारों की बात करने वाले नेतृत्व के सामने यह सवाल अवश्य खड़ा होना चाहिए कि इन श्रमिकों की रोजी पर पड़े आघात की जिम्मेदारी कौन लेगा? व्यापारियों की मुश्किल माल की आवाजाही बाधित होने से और बढ़ी। रामलीला मैदान के दस किलोमीटर के दायरे में मालवाहक वाहनों की आवाजाही पर व्यापक असर पड़ा। नरेला, बवाना, ओखला, मायापुरी, मुंडका और उद्योग नगर से बाजारों तक सामान पहुंचाने वाले ट्रक और टेंपो सामान्य दिनों की तुलना में काफी कम संख्या में पहुंचे। जहां रोजाना करीब पांच हजार ट्रक और टेंपो बाजारों तक माल पहुंचाते हैं, वहीं रैली वाले दिन इनकी संख्या दो हजार से भी कम रह गई। परिणामस्वरूप गोदामों में तैयार माल अटका रहा, दुकानों तक सामान पहुंचाने में देरी हुई और परिवहन कारोबार से जुड़े लोगों की आय भी प्रभावित हुई। यानी राजनीतिक आयोजन का प्रभाव एक बाजार या एक दिन की दुकानदारी तक सीमित नहीं रहा, पूरी कारोबारी श्रृंखला इसकी चपेट में आई। यहां सबसे बड़ा प्रश्न राजनीतिक प्राथमिकताओं का है। जब किसी बड़े आयोजन से पहले उसकी सुरक्षा, यातायात और प्रशासनिक व्यवस्था पर विस्तृत विचार किया जाता है, तो उसके आर्थिक प्रभाव का आकलन क्यों गौण रह जाता है? क्या व्यापारिक संगठनों से बातचीत करके आयोजन की तारीख बदलना असंभव था? क्या दिल्ली के बाहरी क्षेत्रों में रैली के लिए वैकल्पिक स्थल उपलब्ध कराने की व्यवस्था नहीं हो सकती थी? क्या मालवाहक वाहनों, ग्राहकों और आम नागरिकों के लिए अलग-अलग मार्ग निर्धारित करना कठिन था? इन सवालों का उत्तर आज कांग्रेस को देना ही चाहिए! राहुल गांधी की रैली ने यह भी उजागर किया है कि कांग्रेस जनता के समर्थन की बात तो करती है, मगर जनता के आर्थिक जीवन को प्रभावित करने वाले अपने निर्णयों के प्रति जवाबदेह नहीं है।

मार्क्सवादी विचारधारा के 100 वर्ष : घोषित आदर्श, वास्तविक योगदान और परिणाम

मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2004 से 30 नवंबर 2025 तक वामपंथी उग्रवाद से जुड़ी हिंसा में 8,956 लोगों की मृत्यु हुई। यह संख्या उन समुदायों से जुड़ी है जिनकी मुक्ति का दावा इस विचारधारा द्वारा किया जाता है। जनजातीय क्षेत्रों में विकास कार्यों की बाधा, स्कूलों तथा स्वास्थ्य केंद्रों पर हमले तथा सामान्य जनजीवन में अस्थिरता इस हिंसा के परिणाम रहे हैं।

कैलाश चन्द्र

भारत में मार्क्सवादी विचारधारा का आगमन बीसवीं शताब्दी के आरंभिक दशकों में हुआ। सोवियत क्रांति के प्रभाव और कम्युनिस्ट इंटरनेशनल की प्रेरणा से देश में कम्युनिस्ट पार्टी का गठन हुआ। इसके बाद श्रमिक संगठनों, किसान आंदोलनों तथा बौद्धिक हलकों में इस विचारधारा का विस्तार हुआ। स्वतंत्रता संग्राम के दौरान कुछ धाराएं साम्राज्यवाद विरोधी संघर्ष से जुड़ीं। स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद इस विचारधारा से जुड़े संगठनों ने ट्रेड यूनियन गतिविधियों, भूमि सुधार की मांगों तथा चुनावी राजनीति में भूमिका निभाई।

इसके साथ ही केरल, पश्चिम बंगाल तथा त्रिपुरा जैसे राज्यों में शासन की जिम्मेदारी भी संभाली गई। इन लगभग सौ वर्षों में घोषित आदर्शों तथा वास्तविक सामाजिक-आर्थिक परिणामों के बीच संबंध की जांच आवश्यक हो जाती है। मार्क्सवादी विचारधारा का घोषित उद्देश्य वर्गीय शोषण का समापन, आर्थिक असमानता में कमी, श्रमिकों के अधिकारों की रक्षा तथा उत्पादन के साधनों पर समाज का नियंत्रण स्थापित करना रहा है। श्रमिकों को शोषण से मुक्ति, किसानों को भूमि पर अधिकार तथा शोषित वर्गों को समान अवसर प्रदान करने के नारे बार-बार दोहराए गए।

देखा जाए तो किसी भी विचारधारा का मूल्यांकन उसके आदर्शों तथा नारों से होता है। उसके साथ-साथ उसके संगठनों, आंदोलनों तथा शासन द्वारा समाज को दिए गए स्थायी परिणामों की जांच भी अनिवार्य है। स्वास्थ्य, शिक्षा, कौशल विकास, रोजगार सृजन, उद्यमिता, सहकारिता तथा सामाजिक सेवा के क्षेत्रों में स्थापित संस्थानों तथा उनके दीर्घकालीन प्रभाव को केंद्र में रखना उचित है, किंतु भारत में कम्युनिस्ट आंदोलन की कुछ धाराएं सशस्त्र हिंसा तथा राज्य के विरुद्ध सशस्त्र संघर्ष का मार्ग अपनाती रही हैं। भारत सरकार के गृह मंत्रालय के अनुसार भाकपा (माओवादी) सशस्त्र विद्रोह के माध्यम से सत्ता प्राप्त करने की विचारधारा रखती है। यह संगठन गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम के अंतर्गत आतंकवादी संगठनों की सूची में शामिल है।मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार वर्ष 2004 से 30 नवंबर 2025 तक वामपंथी उग्रवाद से जुड़ी हिंसा में 8,956 लोगों की मृत्यु हुई। यह संख्या उन समुदायों से जुड़ी है जिनकी मुक्ति का दावा इस विचारधारा द्वारा किया जाता है। जनजातीय क्षेत्रों में विकास कार्यों की बाधा, स्कूलों तथा स्वास्थ्य केंद्रों पर हमले तथा सामान्य जनजीवन में अस्थिरता इस हिंसा के परिणाम रहे हैं। लोकतांत्रिक तरीकों से श्रमिक अधिकारों के लिए संघर्ष तथा सशस्त्र हिंसा के बीच अंतर स्पष्ट रूप से रेखांकित किया जाना चाहिए। एक ओर वैध ट्रेड यूनियन गतिविधियां तथा सामूहिक सौदेबाजी का स्थान है, दूसरी ओर राज्य व्यवस्था को हिंसक ढंग से समाप्त करने का प्रयास है।

श्रमिकों के अधिकारों के लिए संगठित आंदोलन अपने आप में एक सामाजिक प्रक्रिया है। औद्योगिक संबंधों में लंबे टकराव, अनिश्चितता तथा बार-बार की बाधाएं निवेश के प्रवाह तथा नए रोजगार के अवसरों को प्रभावित करती हैं। किसी उद्योग के बंद होने के कारणों में श्रम नीतियां, बाजार की परिस्थितियां, तकनीकी परिवर्तन, प्रबंधन के निर्णय तथा सरकारी नीतियों की भूमिका होती है। इन सभी कारकों का अध्ययन आवश्यक है। नारेबाजी, धरने तथा प्रदर्शन देश के निर्माण की प्रक्रिया को आगे बढ़ाते हैं जब वे श्रमिकों तथा समाज के जीवन में स्थायी सकारात्मक परिवर्तन लाते हैं। आंदोलनों की सार्थकता उनके द्वारा उत्पन्न रोजगार, कौशल तथा आय में वृद्धि से तय होती है। आज जब भारत में कम्युनिस्ट तथा मार्क्सवादी संगठनों के सौ वर्षों के मूल्यांकन में उनके आंदोलनों, चुनावी प्रभाव तथा वैचारिक संघर्षों के साथ-साथ स्वास्थ्य, शिक्षा, कौशल विकास, रोजगार, उद्यमिता, सहकारिता तथा सामाजिक सेवा के क्षेत्रों में दिए गए स्थायी परिणामों को भी शामिल करना होगा, तब जो संगठन पीड़ितों, शोषितों, मजदूरों तथा वंचितों के विकास का दावा करता है, उससे कुछ सीधे प्रश्नों का उत्तर प्रमाणों के आधार पर अपेक्षित है।

उसने यह जरूर पूछा जाना चाहिए कि कितने अस्पताल, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र तथा जनसेवा संस्थान स्थापित किए जो दशकों तक चलते रहे। कितने विद्यालय, व्यावसायिक प्रशिक्षण केंद्र तथा कौशल विकास संस्थान बनाए गए जिनमें हजारों युवाओं को तकनीकी तथा व्यावसायिक योग्यता प्राप्त हुई। कितने युवाओं को स्थायी रोजगार तथा स्वरोजगार के अवसर मिले जिनसे परिवारों की आय में स्थायी वृद्धि हुई। कितने सफल सहकारी उद्यम तथा स्वावलम्बन के मॉडल विकसित किए गए जो राजनीतिक प्रभाव के घटने के बाद भी समाज की सेवा करते रहे। इन प्रश्नों का उत्तर नारों तथा भाषणों से प्राप्त होता है जब उनके साथ संस्थानों के कार्य, उनके बजट, लाभार्थियों की संख्या तथा दीर्घकालीन परिणामों के स्वतंत्र सत्यापन उपलब्ध हों। यह मूल्यांकन मात्र मार्क्सवादी संगठनों तक सीमित रहना उचित है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, सेवा भारती, विभिन्न किसान संगठन, श्रमिक संगठन, धार्मिक-सामाजिक संस्थाएं तथा अन्य वैचारिक संगठन भी इन्हीं कसौटियों पर परखे जाने चाहिए। किस संगठन ने कितने लोगों तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाईं। कितने विद्यालयों तथा प्रशिक्षण केंद्रों की स्थापना की। रोजगार तथा कौशल विकास में कितना योगदान दिया। समाज को आत्मनिर्भर बनाने वाले कितने मॉडल विकसित किए। किन संस्थाओं ने राजनीतिक लाभ की अपेक्षा किए बिना निरंतर सेवा की। उनके कार्यों का स्वतंत्र रूप से सत्यापन संभव है या नहीं। सही तो यही है कि समाजहित का मूल्यांकन संगठन की विचारधारा तथा उसके दावों से होता है जब उसके प्रमाणित कार्यों तथा परिणामों को केंद्र में रखा जाए। प्रत्येक संगठन के स्वास्थ्य केंद्रों, स्कूलों, सहकारी समितियों तथा रोजगार सृजन कार्यक्रमों की संख्या, उनकी भौगोलिक पहुंच तथा उनके लाभार्थियों की जीवन गुणवत्ता में आए परिवर्तन का अध्ययन आवश्यक है। मार्क्सवादी विचारधारा तथा उससे जुड़े संगठनों का निष्पक्ष मूल्यांकन करते समय तीन पहलुओं के बीच अंतर करना आवश्यक है। उनके घोषित आदर्श, उनके विभिन्न राजनीतिक तथा हिंसक धड़ों की गतिविधियां तथा उनके वास्तविक सामाजिक-आर्थिक परिणाम। क्योंकि जहां हिंसा हुई है वहां उसकी जिम्मेदारी तथा परिणामों की जांच होनी चाहिए। जहां श्रमिकों के अधिकारों, शिक्षा, स्वास्थ्य या सामाजिक सुधार में योगदान हुआ है वहां उसका भी प्रमाणों के आधार पर मूल्यांकन होना चाहिए। अंततः किसी भी विचारधारा की वास्तविक सफलता इस बात से तय होनी चाहिए कि उसने समाज में कितना न्याय बढ़ाया, कितना विकास किया, कितनी स्वतंत्रता प्रदान की तथा कितनी आत्मनिर्भरता उत्पन्न की। देश का निर्माण भाषणों, नारों तथा आंदोलनों से तभी हो सकता है जब वे लोगों के जीवन को बेहतर बनाते हैं, उन्हें सक्षम बनाते हैं तथा समाज को दीर्घकाल तक लाभ पहुँचाते हैं। स्वास्थ्य संस्थानों की निरंतर सेवा, शिक्षा के माध्यम से युवाओं को रोजगार योग्य बनाना, सहकारी मॉडल के द्वारा आय का स्थायी स्रोत सृजित करना तथा कौशल विकास के द्वारा आत्मनिर्भरता बढ़ाना ऐसे कार्य हैं जो विचारधारा से परे समाज के स्थायी हित में होते हैं, इसलिए यह जरूरी है कि इन सभी मानदंडों पर किसी भी संगठन का मूल्यांकन समान रूप से किया जाना चाहिए ताकि समाज को वास्तविक योगदान तथा दीर्घकालीन परिणामों का स्पष्ट चित्र प्राप्त हो सके। (लेखक, सामाजिक कार्यकर्ता एवं स्तम्भकार हैं।)

पुरानी फिल्मों का आकर्षण तब भी और अब भी

गत तीन मई 1913 को भारतीय सिनेमा की पहली फीचर फिल्म ह्यराजा हरिश्चंद्रह्ण प्रदर्शित हुई जो बिना आवाज की फिल्म थी। इसका निर्माण भारतीय सिनेमा के पितामह दादा साहेब फाल्के ने किया था। तब से अब तक बॉलीवुड का सफर हमेशा ऊंचाइयों को ही छूता रहा। इस बीच दक्षिण, पंजाब, भोजपुरी सहित तमाम क्षेत्रीय भाषाओं में भी फिल्मों का भी जबरदस्त दौर आया जो अब भी जारी है।

आयुषी दवे



भारतीय फिल्मों ने महज 115 वर्षों में कई दौर देखे। टॉकीजों में हाउस फुल से लेकर ब्लैक में टिकट का भी मजेदार जमाना था। धीरे-धीरे तकनीक ने इस इंडस्ट्री को नया ठौर दिया। एक समय श्री डी फिल्मों का भी जबरदस्त क्रेज रहा, लेकिन लोगों, खासकर भारत की बात करें तो पुरानी फिल्में और पुराने गीत ही लोगों की जुबान पर हमेशा छाए रहे। चाहे सफर में लक्जरी कार में हों या ट्रेन में मोबाइल पर बज रहे गीत ज्यादातर पुराने और 60 से 90 दशक के बीच के ही बजते सुनाई देते हैं। तमाम बदलाव एवं चुनौतियों के बाद धमाकेदार शुरूआत के बावजूद नए दौर के गानों ने वो मुकाम कभी हासिल ही नहीं किया जो कि पुराने गानों का अब तक बना हुआ है। कमोबेश अब ऐसा ही ट्रेन्ड पुरानी फिल्मों को लेकर लौट रहा है। भले ही तकनीक ने बहुत बड़ा बदलाव किया और फिल्मों को एक से एक आइडिया दिए लेकिन बावजूद तमाम फैन्टेसी, थ्रिल, मिक्सिंग, वीडियो एडिटिंग, एनीमेशन के पुरानी और सीधी सपाट शूटिंग से बनी फिल्मों का आकर्षण कमा जरूर लेकिन घटा नहीं। इस बीच कम से चार-पांच पीढ़ियों का अंतर भी आया। तीन घंटे की जगह 2 घंटे की फिल्में बनने लगीं, ब्लैक एंड व्हाइट से कलर फिल्में बनीं और सिनेमाघरों के साथ-साथ मल्टीफ्लेक्स, ओटीटी तथा होम थियेटर का भी चलन शुरू हो गया। नई पीढ़ी का फिल्मों उसमें विशेषकर गीत-संगीत के प्रति बदलता नजरिया और जायका भी दिखा। पश्चिमीकरण के प्रभावों में आकर न केवल भारत बल्कि दुनिया भर में तमाम संगीत, संस्कृतियां इससे प्रभावित हुईं और मूल स्वरूप तक को खो दिया। जैज, रॉक एंड रोल और कंट्री-वेस्टर्न ने धमाल मचाना शुरू किया। भारतीय संगीत परंपरा ने वो दौर भी देखा जब तेज और विदेशी वाद्य यंत्रों के साथ मिक्स संगीत कल्चर ने खूब हल्ला मचाया।

बीच-बीच मेंफूहड़पन का भी एक दौर चला। तब भी पुराने गानों की लोकप्रियता में कमीं नहीं आई। रेडियो सीलोन जो बाद में श्री ब्रॉडकास्टिंग कापोर्रेशन के नाम से प्रसारण करने लगा से प्रसारित बिनाका गीत माला ने तो धूम ही मचा दी। यह शो 1952 से 1988 तक रेडियो सीलोन पर हर बुधवार को प्रसारित हुआ। इसने भी भारतीय गीतों को बड़ी उंचाई दी। लोग इतने दीवाने थे कि सारा काम निपटा कागज, पेन ले गीतों की ग्रेडिंग के लिए बैठ जाते। हालांकि, बाद में 1989 से 1994 तक इसे विविध भारती से प्रसारित किया लेकिन तब तक टेलीविजन का युग भारत में आ चुका था और इस कार्यक्रम की लोकप्रियता घटती गई। बावजूद इसके सरकारी नियंत्रण के शुरूआती चैनल दूरदर्शन पर भी भारतीय फिल्मों के गीतों के कई कार्यक्रम चित्रहार और अलग-अलग नामों से आए और खासे लोकप्रिय हुए। इनमें भी पुराने गीतों का जलवा रहा, लेकिन 1970 के दौर से ही पश्चिमी संगीत का प्रभाव दिखने लगा। नई पीढ़ी धीरे-धीरे इसकी गिरफ्त में आने लगी। टेप रिकॉर्डर के आते ही फिर नए-पुराने गीतों की अघोषित प्रतिस्पर्धा भी काफी दिखी। शादी-विवाह में भी यह सब दिखा। लेकिन पिछले एक-डेढ़ दशक से एक बार फिर न केवल पुराने गीत-संगीत वापस सुनाई देने लगे हैं बल्कि रिमिक्स के नाम पर उसका सम्मिश्रण अलग ही तरह की अनुभूति देने लगा। गत तीन मई 1913 को भारतीय सिनेमा की पहली फीचर फिल्म 'राजा हरिश्चंद्र' प्रदर्शित हुई जो बिना आवाज की फिल्म थी। इसका निर्माण भारतीय सिनेमा के पितामह दादा साहेब फाल्के ने किया था। तब से अब तक बॉलीवुड का सफर हमेशा ऊंचाइयों को ही छूता रहा। इस बीच दक्षिण, पंजाब, भोजपुरी सहित तमाम क्षेत्रीय भाषाओं में भी फिल्मों का भी जबरदस्त दौर आया जो अब भी जारी है। यदि पूरे भारत की बात करें तो फिल्म और संगीत में अब भी पुराने गीत-संगीत का धमक और जादू जस का तस है, लेकिन लोगों का पुरानी फिल्मों के प्रति बदलता नजरिया और आकर्षण भले ही नई तकनीक ओटीटी और इण्टरनेट के जरिए होम थियेटर के प्रभाव बढ़ा लेकिन यह सच है कि परंतु पुरानी फिल्मों का क्रेज धीरे-धीरे अपनी रफ्तार पकड़ रहा है। मदर इंडिया, उपकार, पूरब-पश्चिम, गुड्डी, हाथी मेरे साथी, आनन्द, गाइड, दीवार, कटी पतंग, हरे रामा हरे कृष्णा, लैला-मजनू, मुगल-ए-आजम, शोले, बॉबी जैसी ढेरों फिल्मों ने तबकी युवा और अबकी बूढ़ी हो चुकी पीढ़ी पर अमिट छाप छोड़ी। हां, नई तकनीक उसमें भी खासकर इंटरनेट के प्रभाव से कुछ वर्षों तक ये फिर से बॉक्स में बंद जैसी स्थिति में जरूर थीं, लेकिन सुकून की बात है कि एक बार फिर पुरानी और संदेश देती लोकप्रिय फिल्मों का दौर लौट रहा है। इसके पीछे लोगों का भावनात्मक जुड़ाव और दमदार स्क्रिप्ट है।

कहानियां सच के धरातल पर दिखती हैं। शायद यही वजह है कि पुरानी फिल्में थियेटर से लेकर मल्टीफ्लेक्स पर फिर अपना जलवा बिखेरने को तैयार हैं। निश्चित रूप से भारतीय परिवेश, संस्कार, रीति-रिवाज वो चाहे देश के पूरब से पश्चिम हो या उत्तर से दक्षिण लोग वापस जुड़ रहे हैं और जानना-समझना चाहते हैं जो बेहद सुकून की बात है। नई पीढ़ी का पुरानी भारतीय फिल्मों के प्रति लगाव-झुकाव बेहद सुखद संदेश है।

(लेखिका, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं कम्युनिकेशन इंजीनियर हैं।)

हरिद्वार के मनसा देवी मंदिर का चमत्कार! यहां पूरी होती है संतान की मुराद

देवभूमि उत्तराखंड में देवी-देवताओं के कई मंदिर हैं। जिनमें से हरिद्वार के बिल्व पर्वत पर मां मनसा देवी का मंदिर स्थित है। मनसा देवी मंदिर भक्तों की आस्था का केंद्र है। इस मंदिर से जुड़ी कई गहरी धार्मिक मान्यताएं सुनने को मिलती है। धार्मिक मान्यता है कि जो भी भक्त सच्चे मन से मां मनसा देवी के दर्शन करता है, मां उसकी सभी मनोकामनाओं को पूरी करती हैं। खास मौके पर मंदिर में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ देखने को मिलती है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको मनसा देवी मंदिर के इतिहास और यहां से जुड़ी धार्मिक मान्यता के बारे में बताने जा रहे हैं।

मंदिर का इतिहास

साल 1811 से 1815 के बीच राजा गोपाल सिंह द्वारा मनसा देवी मंदिर का निर्माण कराया गया था। बता दें कि मनसा देवी मंदिर उन जगहों में शामिल है, जहां पर समुद्र मंथन के दौरान अमृत की कुछ बूंदे गिरी थीं। इस मंदिर में मनसा देवी की दो मूर्तियां स्थापित हैं। एक मूर्ति के तीन मुख और पांच भुजाएं हैं, तो वहीं दूसरी मूर्ति की आठ भुजाएं और स्वयं देवी सर्प पर विराजमान हैं।

मंदिर की मान्यता

धार्मिक मान्यता है कि मां मनसा देवी अपने दरबार में आने वाले हर भक्त की मनोकामना को पूरी करती हैं। माना जाता है कि जो भी भक्त मां के दरबार में सच्चे मन और पूरी श्रद्धा भाव के साथ आता है, वह कभी खाली हाथ नहीं जाता है। वहीं मनसा देवी मंदिर आने से दंपति को संतान सुख की प्राप्ति होती है। वहीं सुहागिन महिलाएं अपने सुहाग की रक्षा और पति की लंबी उम्र के लिए मां मनसा देवी से प्रार्थना करती हैं।



मेट्रो रेज की ओर से स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक जीतेन्द्र कुमार सिंह के लिए जेके न्यूज नेटवर्क, पिपरटोली, अरगोड़ा, रांची 834002 (झारखंड) से प्रकाशित तथा शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा, पेट्रोल पंप रातू रोड, रांची , (झारखंड) से मुद्रित।

प्रधान संपादक : जीतेन्द्र कुमार सिंह, **संपादक** : लाल दिवाकर नाथ शाहदेव*, *पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार। समस्त दिवानी विवादों, न्यायोचित कार्रवाइयों एवं दंडित परिवादों के लिए क्षेत्राधिकार रांची न्यायालय में रहेगा। फोन : 7369017908, R.N.I. No.-JHAHIN/2017/75028 **website :** www.metrorays.in

email : metrorays.ranchi@gmail.com

रेलवे पुल पर लोहे के स्लीपर गाड़कर रास्ता बंद करने के विरोध में दर्जनों किसानों का प्रदर्शन

संवाददाता

साहिबगंज/कोटालपोखर : बड़हरवा-पाकुड़ रेलखंड के कोटालपोखर रेलवे स्टेशन के समीप विजयपुर गांव स्थित रेलवे पुल संख्या 256 पर रेलवे द्वारा लोहे के स्लीपर गाड़कर रास्ता बाधित किए जाने के विरोध में सोमवार को दर्जनों किसानों ने पुल के समीप पहुंचकर जोरदार प्रदर्शन किया।इस दौरान किसानों ने रेलवे प्रशासन और सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की तथा आवागमन बहाल करने की मांग उठाई। प्रदर्शन में मयूरकोला, दुखियाटोला,भाटापारा पथरिया, बड़ा सुनकर, विजयपुर और मुसहरी टोला सहित आसपास के गांवों के दर्जनों किसान शामिल हुए।किसानों का कहना है कि रेलवे पुल पर लोहे के स्लीपर लगाए जाने से बैलगाड़ी और छोटे वाहनों का आवागमन बाधित हो गया है।इसका सीधा असर आसपास के गांवों के किसानों और ग्रामीणों पर पड़ रहा है।



धान कटनी के समय खड़ी हुई गंभीर समस्या

धान कटनी का समय नजदीक आने के कारण किसानों की चिंता बढ़ गई है।खेतों से धान काटकर खलिहान तक पहुंचाने के लिए पहले किसान इसी पुल का इस्तेमाल करते थे। लेकिन पुल पर लोहे के स्लीपर गाड़ दिए जाने के बाद अब बैलगाड़ी और छोटे वाहन भी पार नहीं हो पा रहे हैं। किसानों को अपनी उपज खेतों से खलिहान तक पहुंचाने के लिए करीब 20 किलोमीटर का अतिरिक्त चक्कर लगाना पड़ रहा है।किसानों का कहना है कि कोटालपोखर से गुमानी तक के क्षेत्र में आवागमन के लिए कोई दूसरा रेलवे पुल उपलब्ध नहीं है।ऐसे में रेलवे पुल संख्या 256 पर रास्ता बाधित होने से कई गांवों के किसानों के सामने बड़ी परेशानी खड़ी हो गई है।खेती की बढ़ती लागत के बीच अतिरिक्त दूरी तय करने से समय,श्रम और पैसे का नुकसान उठाना पड़ रहा है।

रेलवे प्रशासन से वैकल्पिक रास्ते की मांग

प्रदर्शन कर रहे किसानों ने रेलवे प्रशासन से मांग की कि रेलवे पुल संख्या 256 पर किसानों और ग्रामीणों के सुरक्षित आवागमन के लिए उचित व्यवस्था की जाए अथवा तत्काल वैकल्पिक रास्ता उपलब्ध कराया जाए।किसानों का कहना है कि यदि धान कटनी से पहले समस्या का समाधान नहीं किया गया तो वे एकजुट होकर व्यापक आंदोलन करने को बाध्य होंगे।अब देखना यह है कि रेलवे प्रशासन किसानों की इस समस्या पर कब तक संज्ञान लेता है और मयूरकोला,दुखियाटोला, डाटापड़ा,पथरिया,बड़ा सुनकर, विजयपुर एवं मुसहरी टोला के ग्रामीणों को राहत दिलाने के लिए क्या कदम उठाता है।

किसानो ने सुनाई अपनी परेशानी

स्थानीय किसान बलदेव साहा ने कहा कि रेलवे के इस कार्य से गांव के किसानों की मुश्किलें काफी बढ़ गई हैं।धान कटनी का समय सामने है। खेतों से धान निकालकर खलिहान तक पहुंचाना जरूरी है, लेकिन पुल से बैलगाड़ी और छोटे वाहन नहीं निकल पा रहे हैं।रेलवे प्रशासन को किसानों की परेशानी समझते हुए जल्द समाधान करना चाहिए।वहीं किसान मो.रिजवान ने कहा कि किसान पहले से ही खेती की बढ़ती लागत और मौसम की मार से परेशान हैं।ऐसे में रेलवे पुल पर रास्ता बंद होने से उनकी समस्या और बढ़ गई है।अनाज की ढुलाई के लिए 20 किलोमीटर का चक्कर लगाना किसानों के लिए बेहद मुश्किल है। यदि समय रहते रास्ते की व्यवस्था नहीं की गई तो किसान रेलवे प्रशासन के खिलाफ आंदोलन को और तेज करेंगे।प्रदर्शन में शामिल एक अन्य किसान ने कहा कि रेलवे सुरक्षा के नाम पर रास्ता बंद करने से पहले ग्रामीणों के आवागमन और किसानों की जरूरतों का ध्यान रखना चाहिए था।धान कटनी के मौसम में रास्ता बाधित होने से पूरे क्षेत्र के किसानों को परेशानी उठानी पड़ रही है।रेलवे को जल्द वैकल्पिक व्यवस्था करनी चाहिए।

न्यूज IN ब्रीफ

कौसर आलम ने छठ घाट की साफ-सफाई को लेकर बीडीओ को सौंपा आवेदन



साहिबगंज:सदर प्रखंड अंतर्गत लाल बथानी मुसहरी टोला स्थित नदी किनारे छठ घाट की साफ-सफाई एवं श्रद्धालुओं के लिए आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराने की मांग को लेकर युवा कांग्रेस के राजमहल विधानसभा अध्यक्ष कौसर आलम ने सोमवार को प्रखंड विकास पदाधिकारी को आवेदन सौंपा।आवेदन के माध्यम से कौसर आलम ने बताया कि लोक आस्था के महापर्व छठ के अवसर पर इस घाट पर बड़ी संख्या में छठ व्रती और श्रद्धालु भगवान सूर्य को अर्घ्य अर्पित करने पहुंचते हैं।लेकिन वर्तमान में घाट पर फैली गंदगी और उगी झाड़ियों के कारण श्रद्धालुओं को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।उन्होंने प्रशासन से छठ महापर्व से पहले घाट की समुचित साफ-सफाई कराने झाड़ियों की कटाई, कचरे की हटाई तथा श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने की मांग की।वहीं आवेदन मिलने के बाद बीडीओ ने कौसर आलम को आश्वासन दिया कि छठ महापर्व को देखते हुए घाट की स्थिति का संज्ञान लेकर साफ-सफाई एवं आवश्यक सुविधाओं की व्यवस्था कराने के लिए संबंधित स्तर पर पहल की जाएगी।कौसर आलम ने उम्मीद जताई कि प्रशासन समय रहते घाट की सफाई एवं अन्य व्यवस्थाएं पूरी कराएगा,ताकि छठ व्रती और श्रद्धालु स्वच्छ व सुरक्षित वातावरण में आस्था के महापर्व को संपन्न कर सकें।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने ईवीएम वेयरहाउस का किया मासिक निरीक्षण



साहिबगंज : जिला निर्वाचन पदाधिकारी-सह-उपायुक्त दीपक कुमार दूबे ने समाहरणालय परिसर स्थित ईवीएम वेयरहाउस का मासिक निरीक्षण किया।निरीक्षण के दौरान उन्होंने वेयरहाउस में सुरक्षित रखी गई इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन एवं वीवीपैट मशीनों की सुरक्षा व्यवस्था रखरखाव और प्रबंधन का जायजा लिया।उपायुक्त ने वेयरहाउस की सुरक्षा व्यवस्था का निरीक्षण करते हुए संबंधित पदाधिकारियों को भारत निर्वाचन आयोग के निर्धारित मानकों एवं सुरक्षा प्रोटोकॉल का शत-प्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित करने का निर्देश दिया।उन्होंने स्पष्ट कहा कि ईवीएम एवं वीवीपैट मशीनों की सुरक्षा और रख-रखाव में किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार्य नहीं होगी।निरीक्षण के क्रम में उपायुक्त ने वेयरहाउस में स्थापित अग्निशमन उपकरणों की उपलब्धता एवं कार्यशीलता सीसीटीवी कैमरों की निगरानी व्यवस्था तथा अन्य सुरक्षा मानकों का भी अवलोकन किया। उन्होंने संबंधित कर्मियों को नियमित रूप से प्रशिक्षण प्रदान करने तथा सुरक्षा व्यवस्था की सतत निगरानी बनाए रखने के निर्देश दिए।इस अवसर पर अपर समाहर्ता विजय कुमार,उप निर्वाचन पदाधिकारी कुमुदिनी टुडू तथा विभिन्न मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

जनजातीय गौरव रथ से गांव-गांव पहुंचेगी सरकारी योजनाओं की जानकारी



लातेहार : धरती आबा भगवान बिरसा मुंडा की 151वीं जयंती के अवसर पर आयोजित जनजातीय गौरव दिवस पखवाड़ा के तहत सोमवार को समाहरणालय परिसर से जनजातीय गौरव रथ रवाना किया गया। उपायुक्त संदीप कुमार, परियोजना निदेशक एवं अपर समाहर्ता ने संयुक्त रूप से हरी झंडी दिखाकर रथ को रवाना किया। रथ जिले के सभी प्रखंडों के जनजातीय बहुल गांवों में पहुंचकर लोगों को सरकारी योजनाओं और उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करेगा। जनजातीय गौरव दिवस पखवाड़ा एक से 15 नवंबर तक आयोजित किया जा रहा है। इसके तहत जिले के विभिन्न जनजातीय बहुल गांवों में जागरूकता अभियान चलाया जाएगा। अभियान के माध्यम से ग्रामीणों को सड़क, बिजली, पेयजल, आवास, स्वास्थ्य और संचार जैसी बुनियादी सुविधाओं के साथ कौशल विकास, स्वरोजगार एवं उद्यमिता से जुड़ी योजनाओं की जानकारी दी जाएगी।इस दौरान प्रधानमंत्री जनजातीय आदिवासी न्याय महाअभियान (पीएम-जनमन) सहित अन्य जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रति लोगों को जागरूक किया जाएगा। साथ ही पात्र लाभुकों को योजनाओं से जोड़ने का प्रयास किया जाएगा, ताकि जनजातीय परिवारों को सरकारी सुविधाओं का लाभ मिल सके।

अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे योजनाओं का लाभ : उपायुक्त

उपायुक्त संदीप कुमार ने कहा कि जनजातीय समुदायों का सर्वांगीण विकास जिला प्रशासन की प्राथमिकता है। सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना इस अभियान का मुख्य उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि जनजातीय परिवारों को शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और बुनियादी सुविधाओं से जोड़कर विकास की मुख्यधारा में शामिल करना जरूरी है। उन्होंने ग्रामीणों से अभियान में सक्रिय भागीदारी निभाने और सरकारी योजनाओं का लाभ उठाने की अपील की। मौके पर आईटीडीए निदेशक सरोजनी ऐनी तिर्की, अपर समाहर्ता सलमान जफर खिजरी, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी डॉ. चंदन, जिला खेल पदाधिकारी अविनेश कुमार त्रिपाठी, जिला भूमि संरक्षण पदाधिकारी चंद्र किशोर कुमार सहित अन्य जिला स्तरीय पदाधिकारी उपस्थित थे।

22वीं झारखंड राज्य स्तरीय सिनियर वूशु चैंपियनशिप

खिलाड़ियों ने जीते 02 स्वर्ण व 06 कांस्य पदक



साहिबगंज:झारखंड वूशु संघ रांची के तत्वावधान में खूंटी में 31अक्टूबर से 01 नवंबर,2026 तक आयोजित 22वीं झारखंड राज्य स्तरीय सिनियर वूशु चैंपियनशिप में जिला वूशु संघ साहिबगंज के सचिव सह प्रशिक्षक मृतुन्जय राय एवं सरताफ के नेतृत्व में भाग लेते हुए खिलाड़ियों ने 02 स्वर्ण एवं 06 कांस्य पदक प्राप्त किया। पदक विजेता रंजन घोष ने 80 किलो वर्ग एवं प्रियम घोष ने तावलु में स्वर्ण,मम्पी कुमारी ने 60 किलो वर्ग , लुखी हेंब्रम 52 किलो वर्ग,सुषमा कुमारी 48 किलो वर्ग, दिना मरांडी, सरताज आलम ने तावलु स्पर्धा में कांस्य पदक जीता।विजेता खिलाड़ियों को उपायुक्त दीपक कुमार दूबे,जिला खेल पदाधिकारी नयन कुमार समेत जिले के खेल प्रेमियों ने बधाई दी।

ऑवर आल चैंपियनशिप में जिले को वुशु में मिला तीसरा स्थान

बोरियो थाना क्षेत्र में रात्रि में सघन वाहन जांच अभियान चलाया

40 वाहनों का चालान कर 1,30,600 का जुमार्ना वसूला

संवाददाता

साहिबगंज : उपायुक्त-सह-जिला दंडाधिकारी के निदेर्शानुसार, जिला परिवहन पदाधिकारी श्री अमर जॉन आईन्द के नेतृत्व में देर रात्रि को बोरियो थाना क्षेत्र अंतर्गत सघन वाहन जांच अभियान चलाया गया।

अभियान के दौरान सभी प्रकार के वाहनों की सघन जांच की गई। मोटर वाहन अधिनियम के प्रावधानों का उल्लंघन करने वाले कुल 40 वाहनों के विरुद्ध चालान की कार्रवाई की गई। इन वाहनों से कुल ?1,30,600 एक लाख तीस हजार छह सौ रुपये का जुमार्ना वसूल किया गया।इसके अतिरिक्त, सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम एवं यातायात नियमों के अनुपालन को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से वाहन चालकों की ब्रेथ एनालाइजर के माध्यम से जांच की गई, ताकि नशे की हालत में वाहन चलाने ड्रिंक एंड ड्राइव के मामलों की पहचान की जा सके।उक्त अभियान में मोटरयान निरीक्षक, साहिबगंज श्री कुमार उत्कर्ष, थाना प्रभारी ओम प्रकाश चौहान, रोड इंजीनियर एनालिस्ट अनुज पराशर, आईटी सहायक राजहंस सहित पुलिस बल के जवान उपस्थित थे।जिला प्रशासन द्वारा आम नागरिकों से अपील की जाती है कि वे यातायात नियमों का पालन करें, वाहन चलाते समय आवश्यक दस्तावेज अपने साथ रखें तथा नशे की हालत में वाहन न चलाएं। यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध आगे भी नियमित रूप से जांच अभियान चलाकर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।



जैप नौ साहिबगंज में अवर निरीक्षक बिहारी राम और हवलदार राजकुमार यादव को दी गई भावभीनी विदाई

संवाददाता

साहिबगंज : झारखंड सशस्त्र पुलिस जैप नौ साहिबगंज के सभागार में सोमवार को अवर निरीक्षक बिहारी राम एवं हवलदार राजकुमार यादव के सम्मान में विदाई समारोह का आयोजन किया गया।समारोह की अध्यक्षता वरीय पुलिस उपाधीक्षक मनोज कुमार झा ने की,जबकि मंच का संचालन झारखंड पुलिस एसोसिएशन के अध्यक्ष अमलेश कुमार सिंह ने किया।इस अवसर पर दोनों कर्मियों को सम्मानपूर्वक विदाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य एवं जीवन की नई पारी के लिए शुभकामनाएं दी गईं।वरीय पुलिस उपाधीक्षक मनोज कुमार झा ने कहा कि पुलिस सेवा में रहते हुए दोनों कर्मियों ने अपने दायित्वों का निर्वहन किया है।सरकारी सेवा में सेवानिवृत्ति एक स्वाभाविक प्रक्रिया है।लेकिन सेवा के दौरान बनाए गए संबंध,अनुभव और यादें हमेशा साथ रहती हैं।उन्होंने दोनों के स्वस्थ,सुखमय व खुशहाल भविष्य की कामना की।वही झारखंड पुलिस एसोसिएशन के अध्यक्ष अमलेश कुमार सिंह ने कहा कि बिहारी राम एवं राजकुमार यादव का सेवाकाल सभी के लिए प्रेरणादायक रहा है।पुलिस परिवार में उनका योगदान और सहयोग हमेशा याद रखा जाएगा।उन्होंने कहा कि विदाई केवल एक औपचारिकता है।विभागीय परिवार से उनका जुड़ाव हमेशा बना रहेगा।उन्होंने दोनों के आगामी जीवन के लिए मंगलकामनाएं व्यक्त कीं।समारोह में झारखंड पुलिस एसोसिएशन के सुबोध कुमार निराला एवं भरत राय,झारखंड पुलिस मेंस एसोसिएशन के अध्यक्ष संजय कुमार यादव कोषाध्यक्ष धनंजय कुमार सिंह,पवन कुमार शाह,कादर खान सहित चतुर्थवर्गीय कर्मचारी संघ के पदाधिकारी व जैप नौ वाहिनी के विभिन्न कोटि के सदस्य उपस्थित थे।सभी ने दोनों कर्मियों के साथ बिताए गए अनुभव साझा किए और उन्हें सम्मानपूर्वक विदाई दी।



रांगा थाना प्रभारी के नेतृत्व में सघन वाहन जांच अभियान बिना कागजात और हेलमेट वालों पर कार्रवाई



साहिबगंज/पतना :रांगा थाना क्षेत्र में सड़क सुरक्षा और यातायात नियमों का पालन सुनिश्चित कराने को लेकर थाना प्रभारी अखिलेश कुमार यादव के नेतृत्व में सघन वाहन जांच अभियान चलाया गया।यह अभियान रांगा थाना के मुख्य द्वार के सामने चलाया गया,जहां पुलिस पदाधिकारियों एवं जवानों ने आने-जाने वाले वाहनों की जांच की।इस दौरान दोपहिया,तीनपहिया व चारपहिया वाहनों को रोककर उनके आवश्यक कागजातों की जांच की गई।दोपहिया वाहन चालकों से हेलमेट पहनने के साथ-साथ ड्राइविंग लाइसेंस वाहन का रजिस्ट्रेशन इंश्योरेंस एवं अन्य जरूरी दस्तावेज मांगे गए।जांच के दौरान जिन वाहन चालकों के पास आवश्यक कागजात उपलब्ध नहीं थे या जो यातायात नियमों का उल्लंघन करते पाए गए उनके वाहनों को थाना परिसर में रखा गया तथा नियमानुसार चालान काटने की कार्रवाई की गई।थाना प्रभारी अखिलेश कुमार यादव ने वाहन चालकों से अपील की कि वे सड़क पर निकलने से पहले अपने सभी जरूरी दस्तावेज साथ रखें और दोपहिया वाहन चलाते समय हेलमेट का अनिवार्य रूप से उपयोग करें। उन्होंने कहा कि सड़क सुरक्षा के मद्देनजर वाहन जांच अभियान आगे भी जारी रहेगा।पुलिस की इस कार्रवाई से वाहन चालकों में सतर्कता देखी गई।

23 नवंबर को डीआरएम कार्यालय मालदा के समक्ष उठेगा मामला

राजकुमार यादव ने कहा मजदूरों के अधिकारों का हनन बर्दाश्त नहीं

संवाददाता

साहिबगंज:सकरीगली रेलवे रैक साइडिंग नंबर-6 में मजदूरों और मेसर्स आलोक स्टोन के प्रबंधन के बीच उत्पन्न श्रम विवाद को लेकर झारखंड मजदूर संघ प्रजातांत्रिक की जिला कमेटी की बैठक आयोजित की गई।बैठक की अध्यक्षता जिला कमेटी सदस्य मुन्ना यादव ने की।इसमें दोनों पक्षों की बातें बारी-बारी से सुनी गईं और विवाद के कारणों पर विस्तार से चर्चा की गई।बैठक में मजदूरों ने आरोप लगाया कि रैक प्लेसमेंट को लेकर श्रमिक मुन्ना यादव और प्रबंधन के मुंशी रंजय झा के बीच विवाद हुआ था।इस दौरान मुंशी द्वारा कथित रूप से गाली-गलौज और अपशब्दों का प्रयोग किया गया,जिससे मजदूरों में काफी आक्रोश व्याप्त है।मजदूरों का कहना था कि स्टोन चिप्स कंपनी द्वारा निर्धारित समय पर माल की आपूर्ति नहीं किए जाने के कारण उन्हें करीब चार घंटे तक इंतजार करना पड़ता है।इसके बावजूद मजदूरों को बिना काम दिए वापस भेज दिया जाता है तथा प्रबंधन द्वारा जेसीबी मशीन से लोडिंग का कार्य कराया जाता है।संघ की बैठक में इस व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए कहा गया कि जब मजदूरों ने वैगन में आधे से अधिक माल लोड कर दिया था और आपूर्ति में देरी प्रबंधन की ओर से हुई,तो ऐसी स्थिति में मजदूरों को उनकी पूरी निर्धारित मजदूरी मिलनी चाहिए। मजदूरों ने इसे उनके श्रम अधिकारों से जुड़ा गंभीर मामला बताया।इस अवसर पर झारखंड मजदूर संघ प्रजातांत्रिक के केंद्रीय महामंत्री राजकुमार यादव ने कहा कि मजदूरों से काम लेने के बाद उनके अधिकारों की अनदेखी करना किसी भी परिस्थिति में उचित नहीं है।उन्होंने कहा कि रैक साइडिंग में न्यूनतम मजदूरी के भुगतान के साथ-साथ बिजली,पेयजल और शौचालय जैसी बुनियादी सुविधाओं की भी कमी है। मजदूरों को सम्मानजनक व्यवहार और उनके श्रम का उचित पारिश्रमिक मिलना चाहिए।राजकुमार यादव ने चेतावनी दी कि यदि मजदूरों की समस्याओं का शीघ्र समाधान नहीं किया गया,तो झारखंड मजदूर संघ प्रजातांत्रिक आगामी 23 नवंबर 2026 को डीआरएम कार्यालय, मालदा के समक्ष इन समस्याओं को प्रमुखता से उठाएगा और रेलवे प्रशासन को पूरे मामले से अवगत कराएगा।बैठक में विजय यादव, राकेश राव,संजय रजक,धर्मेंद्र चौधरी सहित अन्य मजदूर एवं संघ के सदस्य उपस्थित थे।



न्यूनतम मजदूरी और बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराना प्रबंधन की जिम्मेदारी

ऑस्ट्रेलियाई ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को कहा अलविदा



नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास का ऐलान कर दिया। 38 वर्षीय मैक्सवेल का अंतरराष्ट्रीय करियर 14 साल तक चला। उन्होंने आखिरी बार आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2026 में ओमान के खिलाफ मुकाबले में हिस्सा लिया था।

अपने संन्यास की घोषणा करते हुए ग्लेन मैक्सवेल ने द फाइनल वर्ड पॉडकास्ट पर कहा कि यह फैसला थोड़ा दुखद है लेकिन मैं अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने का ऐलान कर रहा हूं। उन्होंने चयनकताओं के साथ हुई बातचीत के बारे में कहा कि टी20 वर्ल्ड कप से पहले और बाद में हमारी कई बार चर्चा हुई थी। यह बातचीत काफी खुली और स्पष्ट थी। अपने करियर को लेकर मैक्सवेल ने कहा कि मैं शुक्रगुजार हूँ कि मुझे अपने देश के लिए खेलने का मौका मिला। अगर 2009 के आसपास जब मैंने पहली बार विक्टोरिया के ड्रेसिंग रूम में कदम रखा था, तब किसी ने मुझे ऐसा करियर देने की बात कही होती, तो मैं खुशी-खुशी इसे स्वीकार कर लेता। ग्लेन मैक्सवेल के संन्यास के साथ ही ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट का एक यादगार अध्याय समाप्त हो गया है। अपनी आक्रामक बल्लेबाजी, शानदार फील्डिंग और उपयोगी गेंदबाजी के दम पर उन्होंने दुनियाभर के क्रिकेट प्रशंसकों के बीच खास पहचान बनाई। मैक्सवेल ने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर में ऑस्ट्रेलिया का तीनों प्रारूपों में प्रतिनिधित्व किया। उन्होंने 149 वनडे, 130 टी20 अंतरराष्ट्रीय और 7 टेस्ट मुकाबले खेले। इस दौरान वह ऑस्ट्रेलिया की दो वनडे विश्व कप (2015 और 2023) तथा एक टी20 विश्व कप (2021) जीतने वाली टीम का हिस्सा रहे।

सफेद गेंद के क्रिकेट में मैक्सवेल का प्रदर्शन बेहद शानदार रहा। अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी के लिए मशहूर मैक्सवेल ने कई मौकों पर ऑस्ट्रेलिया को मुश्किल परिस्थितियों से बाहर निकाला। खास तौर पर 2023 वनडे विश्व कप में अफगानिस्तान के खिलाफ उनकी ऐतिहासिक दोहरा शतकीय पारी क्रिकेट इतिहास की यादगार पारियों में शामिल है। उस मुकाबले में उन्होंने चोट और मुश्किल परिस्थितियों के बावजूद नाबाद दोहरा शतक लगाकर ऑस्ट्रेलिया को जीत दिलाई थी।मैक्सवेल के वनडे करियर की बात करें तो उन्होंने 149 मैचों में 3990 रन बनाए। वहीं, टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में उनके बल्ले से 2897 रन निकले, जिसमें उनका स्ट्राइक रेट 154.4 का रहा। सात टेस्ट में 339 रन बनाए। इसके अलावा मैक्सवेल ने अपने अंतरराष्ट्रीय करियर में कुल 10 शतक लगाए और 136 विकेट भी हासिल किए।



13 साल का इंटरफेथ रिलेशनशिप

चंद मिनटों में हिना -रॉकी ने रिश्ते को दिया नाम



प्यार को शादी तक पहुंचाने के लिए लोग अक्सर सालों तक प्लानिंग करते हैं. परिवार की रजामंदी से लेकर शादी की तारीख और तैयारियों तक, हर छोटी-बड़ी बात पर ध्यान दिया जाता है. लेकिन टीवी एक्ट्रेस हिना खान और रॉकी जायसवाल की शादी की कहानी कुछ अलग है. 13 साल से ज्यादा समय तक एक-दूसरे के साथ रहने के बाद दोनों ने अचानक शादी करने का फैसला किया. खास बात यह है कि उनकी शादी में 15 मिनट से भी कम समय लगा. अब हिना ने खुद बताया है कि आखिर उन्होंने इतनी जल्दी शादी करने का फैसला क्यों लिया था.

कुछ रिश्ते वक्त के साथ और गहरे होते जाते हैं. इनमें कभी प्यार की परीक्षा होती है तो कभी मुश्किल हालात रिश्ते को एक नया मतलब दे देते हैं. हिना खान और रॉकी जायसवाल की प्रेम कहानी भी कुछ ऐसी ही है. 13 साल से ज्यादा समय तक एक-दूसरे का साथ निभाने वाले इस कपल ने कई उतार-चढ़ाव देखे. खासकर हिना की जिंदगी में आए उस मुश्किल दौर ने दोनों के रिश्ते को और मजबूत बना दिया. जब भविष्य को लेकर मन में कई सवाल थे, तब दोनों ने एक ऐसा फैसला लिया, जिसकी शायद किसी ने कल्पना भी नहीं की थी. न लंबी तैयारी, न बड़ी रस्में और न ही महीनों का इंतजार. बस कुछ मिनटों में जिंदगी भर साथ रहने का वादा कर लिया. अब हिना ने अपनी इस झटपट शादी के पीछे छिपी इमोशन्स का खुलासा टेनिस स्टार सानिया मिर्जा के नए शो पर किया. हिना खान और रॉकी जायसवाल की शादी ने सभी को शॉक्ड किया. बिना किसी प्लानिंग के उन्होंने ऐसा क्यों किया ये सवाल उनके फैंस के मन में था. हिना खान ने हाल ही में टेनिस स्टार सानिया मिर्जा के नए शो पर अपनी शादी से जुड़ी कई बातें शेयर कीं. बातचीत के दौरान सानिया ने उन्हें शादी के दिन की एक तस्वीर दिखाई. इसे देखकर हिना मुस्कुराने लगीं और उस खास पल को याद किया. उन्होंने बताया कि उनकी शादी पहले से तय नहीं थी. हिना ने कहा कि उन्हें नहीं लगता कि वह और रॉकी शादी के लिए पहले से तैयार थे. दोनों 10 साल से ज्यादा समय से साथ थे और उनका रिश्ता करीब 13-14 साल पुराना था. लेकिन उस समय हिना की सेहत ठीक नहीं थी. वह स्टेज 3 ब्रेस्ट कैंसर से जूझ रही थीं और उनका इलाज चल रहा था. ऐसे में उन्हें भविष्य को लेकर अनिश्चितता महसूस हो रही थी. इसी वजह से उन्होंने रॉकी के सामने शादी का प्रपोजल रखा.

हो सकता है...

क्या शाहिद के घर गूंजेगी तीसरी बार किलकारी?

शाहिद कपूर की पत्नी मीरा राजपूत हाल ही में करीना कपूर खान के चैट शो 'व्हाट विमेन वांट' में नजर आईं। यहाँ दोनों ने रिश्तों, शादी, पारिवारिक जीवन और अपनी निजी जिंदगी से जुड़ी कुछ अफवाहों पर खुलकर बातचीत की। जारी हुए आने वाले एपिसोड के एक नए प्रोमो में उनकी मजेदार बातचीत की झलक देखने को मिली, जिसमें मीरा ने अपने पति शाहिद कपूर के साथ परिवार बढ़ाने की अटकलों पर बात की। बातचीत के दौरान, करीना ने मीरा से पूछा कि उन्होंने अपने बारे में सुनी गई सबसे अजीब अफवाह कौन सी है। इस सवाल के जवाब में मीरा ने बताया कि यह अफवाह उनके और शाहिद के तीसरे बच्चे के माता-पिता बनने के बारे में थी।

क्या तीसरी बार मां बनेंगी मीरा राजपूत ?

मीरा के जवाब पर करीना ने मजाक में कहा, 'हो सकता है। मीरा ने तुरंत इन अटकलों को खारिज करते हुए कहा, 'बिल्कुल नहीं, हमारा परिवार पूरा हो चुका है। एपिसोड से पहले, करीना ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर शो के सेट से मीरा के साथ एक तस्वीर शेयर की और उन्हें बहुत ही मिलनसार और प्यारी बताया। मीरा ने इस पोस्ट को रीशेयर किया और शो में बुलाने के लिए करीना का शुक्रिया अदा किया। उन्होंने लिखा कि उन्हें इससे बेहतर साथ नहीं मिल सकता था। करीना के शो में मीरा का आना इसलिए भी चर्चा में है क्योंकि अतीत में करीना और शाहिद कपूर का रिश्ता रह चुका है।



कूदा फैन तो

चिल्लाई सिंगर सुनंदा शर्मा

फेमस सिंगर सुनंदा शर्मा की सुरक्षा में चूक का मामला सामने आया है। जयपुर में लाइव परफॉर्मेंस के दौरान एक फैन स्टेज पर चढ़ गया। उसे देखकर सुनंदा घबरा गईं और चिल्लाते हुए तुरंत पीछे हट गईं। इसके बाद सिक्योरिटी ने तुरंत युवक को काबू किया और घसीटते हुए स्टेज से नीचे उतारा। इससे पहले भी गाजियाबाद में सुनंदा शर्मा के साथ ऐसा ही वाकया हो चुका है। इस मामले को लेकर फिलहाल सिंगर की तरफ से कोई रिएक्शन नहीं आया है।



जयपुर के कॉलेज में था सुनंदा का लाइव शो

सुनंदा शर्मा को जयपुर के आनंद इंटरनेशनल कॉलेज ऑफ इंजीनियरिंग में बुलाया गया था। 31 अक्टूबर को वह कॉलेज कैंपस में एकोना-2026 नाम के इंटर-कॉलेजिएट टेक्नो-कल्चरल फेस्ट में शामिल हुईं। रात करीब साढ़े 8 बजे सुनंदा स्टेज पर परफॉर्म कर रही थीं। इसी दौरान एक फैन स्टेज पर चढ़ गया।

सुरक्षाकर्मियों ने पीटा तो सुनंदा बोलीं- इट्स ओके

सुनंदा की सुरक्षा में चूक से जुड़ा 23 सेकेंड का वीडियो सामने आया है, जिसमें सिंगर स्टेज पर परफॉर्म कर रही हैं। वह गाते हुए स्टेज पर फैंस की तरफ बढ़ती हैं। तभी सामने से एक फैन स्टेज पर आ जाता है और सुनंदा के पैर छूने की कोशिश करता है।

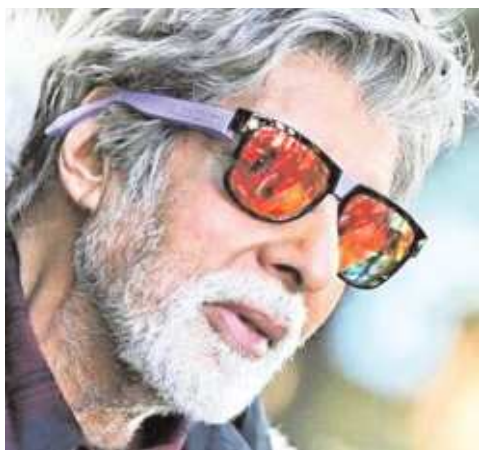
शादी पर बोलीं सीआईडी की अभिनेत्री ?



अभिनेत्री अंशा सैयद टीवी का एक जाना पहचाना चेहरा हैं। इंडस्ट्री में तो उन्होंने अपने अभिनय की छाप छोड़ी ही है, वह दर्शकों की भी चहेती हैं। अभिनेत्री अपनी निजी जिंदगी के बारे में कम ही बात करती हैं। हाल ही में उन्होंने अपनी निजी जिंदगी के बारे में कई बातें बताई हैं। अभिनेत्री ने बातचीत में बताया कि वह सिंगल हैं। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि जो महिलाएं बहुत आत्मनिर्भर होती हैं, उन्हें इससे गुजरना पड़ता है। बहुत सारे लोग पूछते हैं कि तुम्हारा कोई पार्टनर क्यों नहीं है। मुझे नहीं पता कि पार्टनर क्यों नहीं है। कई बार आत्मनिर्भर होने की वजह से, तो कई बार फेल रिलेशनशिप की वजह से ऐसा होता है।'

कब से सिंगल हैं अभिनेत्री?

अभिनेत्री ने अपने रिश्ते के बारे में कहा, 'मेरे फेल रिलेशनशिप को भी 15 साल हो गए हैं। इसके बाद मैं कई लोगों से मिली, लेकिन बात नहीं बनी। मजबूत महिलाओं के साथ ऐसा होता है। 13 साल से मैं सिंगल हूं और मैं किसी रिलेशनशिप नहीं रही। ना ही किसी तरह की सिचुएशनशिप में रही।'



बिग बी की बढ़ाई गई सुरक्षा

- **बम की धमकी और फैन की घुसपैठ के बाद बढ़ाई सुरक्षा**

बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन की सुरक्षा को लेकर अब और सतर्कता बरती जा रही है। हाल ही में उनके लिए एक धमकी भरा मेल भी भेजा गया था। अब इसके बाद उनकी सिक्योरिटी को और भी टाइट कर दिया गया है। एक्टर अमिताभ बच्चन हर रविवार फैंस से मिलने के लिए अपने घर जलसा से बाहर आते हैं। इस दौरान उनके घर के बाहर भारी संख्या में फैंस की भीड़ जमा होती है। इसके अलावा बीते दिनों अमिताभ बच्चन को धमकी भी मिली थी। अब इन सब मामलों को देखते हुए एक्टर की सिक्योरिटी बढ़ा दी गई है।

इस वजह से बढ़ाई गई सुरक्षा

पिछले रविवार एक फैन सुरक्षा घेरा पार कर अमिताभ तक पहुंच गया था। इससे पहले मुंबई पुलिस को एक धमकी भरा ईमेल मिला, जिसमें कहा गया था कि अमिताभ बच्चन के मुंबई वाले बंगले को निशाना बनाया गया है। यह धमकी भरा ईमेल मुंबई के बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स इलाके के एक स्कूल को मिला था।

डेब्यू निकली महाफ्लॉप

4 साल से HIT के

इंतजार में हैं मानुषी

मानुषी छिल्लर ने 20 साल की उम्र में मिस वर्ल्ड का खिताब जीता था. वो महज 20 साल की थीं जब उन्होंने ये खिताब अपने नाम किया था. साल 2017 में मिस वर्ल्ड रहीं मानुषी ने फिल्मों में किस्मत आजमाई लेकिन अभी तक वो सिल्वर स्क्रीन पर सफलता हासिल नहीं कर पाई हैं. पूर्व मिस वर्ल्ड मानुषी छिल्लर ने एचटी सिटी के शो पर शिरकत करने के दौरान ब्यूटी पेजेंट से लेकर फिल्मों तक के अपने सफर पर खुलकर बात की. उन्होंने अपने करियर को लेकर अपने आगे का प्लान भी शेयर किया. मानुषी ने 2017 में मिस वर्ल्ड का खिताब जीता था. 9 साल बाद वो कहती हैं कि इस दौरान उन्होंने एक चीज सीखी हैं कि हमेशा अपनी इंस्टिंक्ट पर भरोसा करना चाहिए. मानुषी छिल्लर कहती हैं कि जब उन्होंने फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखा था तो वो काफी उत्साहित थीं. वो नई चीजें सीखने के लिए काफी उत्साहित थीं लेकिन साथ ही उन्होंने उन लोगों की राय लेनी भी शुरू कर दी जो पहले से इंडस्ट्री में थे. मानुषी कहती हैं कि कई सारे लोगों की राय आखिरकार आपको कंफ्यूज कर देती है. मानुषी का मानना है कि उनके लिए यह समझना जरूरी रहा कि करियर में आगे बढ़ने के लिए सिर्फ दूसरों के अनुभव पर निर्भर नहीं रहा जा सकता. अपनी पसंद और समझ के आधार पर फैसले लेना भी उतना ही अहम है. अभिनेत्री ने फिल्म इंडस्ट्री को अनिश्चितताओं से भरा पेशा बताया.

गड़बेता में फिर राजनीतिक तनाव की आशंका, तपन घोष को लेकर भाजपा और माकपा के बीच तनातनी

एजेंसी

खड़गपुर। पश्चिम मेदिनीपुर जिले के गड़बेता में एक बार फिर राजनीतिक तनाव बढ़ने की आशंका जताई जा रही है। माकपा नेता तपन घोष को लेकर भाजपा और माकपा के बीच आरोप-प्रत्यारोप शुरू हो गया है। भाजपा विधायक प्रदीप लोढ़ा ने आरोप लगाया है कि तपन घोष अल्पसंख्यक समुदाय के लोगों को साथ लेकर कथित तौर पर हार्माद वाहिनी बनाने की कोशिश कर रहे हैं। प्रदीप लोढ़ा का दावा है कि लोकतांत्रिक तरीके से हार स्वीकार नहीं कर पाने के कारण तपन घोष गड़बेता पर कब्जा करने की बातें कर रहे हैं। भाजपा



के अनुसार, अल्पसंख्यक बहुल गांवों में संगठन बनाने की गतिविधियों की जानकारी खुफिया विभाग को भी है। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने भी तपन घोष को लेकर कड़ा बयान दिया है।

प्रदीप लोढ़ा के मुताबिक, वाममोर्चा शासन के दौरान मारे गए 25 भाजपा कार्यकताओं के परिजनों ने मुख्यमंत्री से सवाल किया है कि उन घटनाओं के लिए जिम्मेदार बताए जाने वाले तपन घोष, सुकुर अली और सुशांत घोष अब तक खुलेआम क्यों घूम रहे हैं। मुख्यमंत्री ने सार्वजनिक मंच से कहा है कि तपन घोष को जेल में होना चाहिए। गड़बेता में भाजपा का प्रभाव वर्ष 1989 से बढ़ना शुरू हुआ था। 1998 में तत्कालीन जिला अध्यक्ष रमाप्रसाद तिवारी के नेतृत्व में पार्टी ने गड़बेता, सानमुड़ा, धादिका और श्यामनगर की चार ग्राम पंचायतों पर जीत दर्ज की थी। बाद में रमाप्रसाद तृणमूल कांग्रेस में शामिल हो गए। उनका कहना है कि माकपा के अत्याचार के विरोध में भाजपा ने ही यहां संघर्ष शुरू किया था। तृणमूल कांग्रेस के 15 वर्षों के शासन में माकपा की राजनीतिक गतिविधियां भी सीमित हो गई थीं। पार्टी का अस्तित्व मुख्य रूप से गड़बेता के आंचलिक कार्यालय तक रह गया था और कई नेता दूसरे शहरों में चले गए थे। अब सत्ता परिवर्तन के बाद माकपा फिर सक्रिय होने की कोशिश कर रही है। मुख्यमंत्री ने भी आरोप लगाया है कि कंकाल कांड से जुड़े लोग इसका लाभ उठाना चाहते हैं। गड़बेता छोटा आंगरिया नरसंहार का भी गवाह रहा है। उस घटना में गोलीबारी के बाद घरों में आग लगाकर लोगों की हत्या करने का आरोप लगा था। क्षेत्र में देसी तोप वॉक्सल के इस्तेमाल, घर जलाने, दुष्कर्म, हत्या और लूटपाट की घटनाएं भी हुई थीं। स्थानीय लोग इन घटनाओं के साथ तपन घोष का नाम जोड़ते रहे हैं। उस समय इलाके में तपन घोष और सुकुर अली का जबर्दस्त दबदबा हुआ करता था। भाजपा का कहना है कि वह क्षेत्र में हिंसा के पुराने दिनों की वापसी नहीं चाहती। वहीं, माकपा ने आरोपों को राजनीतिक दबाव बनाने की कोशिश बताया है। पार्टी का दावा है कि तपन घोष के नेतृत्व में लोग फिर माकपा की ओर लौट रहे हैं, जिससे भाजपा घबराई हुई है। माकपा के पश्चिम मेदिनीपुर जिला सचिव विजय पाल ने कहा कि भाजपा लाल झंडे से डर रही है। मुख्यमंत्री को डराने-धमकाने के बजाय अपने वादे के अनुसार विकास कार्य करने चाहिए। उन्होंने कहा कि इस तरह की चेतावनियों से माकपा की राजनीतिक गतिविधियां नहीं रुकेंगी।

न्यूज IN ब्रीफ

बंगाल के युवा ने बनाया 30 सेकंड में रक्तस्राव रोकने वाला पाउडर , सिंगापुर में मिला अंतरराष्ट्रीय सम्मान

कोलकाता। पूर्व बर्दवान जिले के खंडघोष स्थित बादुलिया गांव के युवा वैज्ञानिक साबिर हुसैन ने अपने अनोखे आविष्कार से



अंतरराष्ट्रीय स्तर पर राज्य और देश का नाम रोशन किया है। उनके द्वारा विकसित विशेष पाउडर 'स्टॉप ब्लीड' महज 30 सेकंड में रक्तस्राव रोकने में सक्षम है। इस आविष्कार को 29 अक्टूबर 2026 सिंगापुर में आयोजित अंतरराष्ट्रीय ह्यस्लिंगशॉट 2026ह्ल प्रतियोगिता में बड़ी सफलता मिली है। इसी प्रतियोगिता में साबिर हुसैन को ग्रैंड विजेता घोषित किया गया था। स्वास्थ्य एवं बायोमेडिकल श्रेणी में साबिर के स्टार्टअप ह्यमिराक्यूलसह्ल ने शीर्ष स्थान हासिल करते हुए ग्रैंड विजेता का खिताब अपने नाम किया। इसके साथ ही उनकी कंपनी को चार लाख सिंगापुर डॉलर की अनुदान राशि भी मिली है।

यह स्टार्टअप राउरकेला स्थित नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (एनआईटी) के बायोटेक्नोलॉजी एवं मेडिकल इंजीनियरिंग विभाग के सहयोग से संचालित हो रहा है। प्रोफेसर देवेंद्र वर्मा के मार्गदर्शन में इस विशेष पाउडर को विकसित किया गया है। इसका उद्देश्य दुर्घटनाओं, चोट और आपातकालीन परिस्थितियों में तेजी से रक्तस्राव को नियंत्रित करना है। साबिर हुसैन के इस आविष्कार को इससे पहले भी राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिल चुकी है। करीब सात वर्ष पहले 2019 में दिल्ली स्थित डीआरडीओ भवन में उन्हें इस नवाचार के लिए सम्मानित किया गया था। उस समय केंद्रीयमंत्री राजनाथ सिंह ने उन्हें प्रशस्ति पत्र प्रदान किया था। साबिर ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा खंडघोष के एक स्कूल से पूरी की। इसके बाद बर्दवान से उच्च माध्यमिक परीक्षा उत्तीर्ण की। उन्होंने कोलकाता के एक कॉलेज से बीटेक और एनआईटी राउरकेला से बायोमेडिकल विषय में एमटेक की डिग्री हासिल की। उनके द्वारा विकसित ह्यस्टॉप ब्लीडह्ल पाउडर को केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) की मंजूरी भी मिल चुकी है। अब तक 250 से अधिक अस्पतालों और कई सैन्य इकाइयों में इस तकनीक का इस्तेमाल किया जा चुका है। सिंगापुर में मिली इस अंतरराष्ट्रीय सफलता के बाद एनआईटी प्रबंधन ने भी साबिर हुसैन को बधाई दी है। एक छोटे से गांव से निकलकर अपने वैज्ञानिक आविष्कार के दम पर अंतरराष्ट्रीय पहचान बनाने वाले साबिर की उपलब्धि बंगाल के युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत बन गई है।

'ई-फाइलिंग 3.0' पर बुधवार को होगी राष्ट्रीय कार्यशाला, मंत्री अर्जुन राम मेघवाल होंगे शामिल

नई दिल्ली। अदालती कामकाज को पूरी तरह से डिजिटल और कागज-रहित बनाने की दिशा में, ई-कोर्ट मिशन मोड परियोजना के तहत विधि एवं न्याय मंत्रालय का न्याय विभाग बुधवार को ह्यई-



फाइलिंग 3.0ः प्रक्रिया से व्यवहार तकह्ल विषय पर एक अहम कार्यशाला का आयोजन करेगा। यह कार्यक्रम दिल्ली स्थित विज्ञान भवन में आयोजित किया जाएगा। विधि एवं न्याय मंत्रालय के अनुसार इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम में केंद्रीय विधि एवं न्याय राज्य मंत्री अर्जुन राम मेघवाल मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। इसके अलावा, उच्चतम न्यायालय की ई-समिति के सदस्यों भी मौजूद रहेंगे। इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य सरकारी अधिकारियों को ह्यई-फाइलिंग 3.0ह्ल प्लेटफॉर्म की कार्यप्रणाली और बारीकियों से अवगत कराना है। कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केंद्र (एनआईसी) की ओर से विशेष तकनीकी सत्र आयोजित किए जाएंगे। इन सत्रों में ई-कोर्ट के संचालन, ई-कोर्ट सिंगल साइन-ऑन (एसएसओ), ई-कोर्ट सर्विसेज मोबाइल ऐप और ई-फाइलिंग 3.0 की प्रमुख विशेषताओं पर विस्तार से जानकारी दी जाएगी। साथ ही, सरकारी अधिवक्ताओं और विभागों के लिए उपलब्ध सुविधाओं को लेकर अधिकारियों के साथ एक खुली चर्चा भी होगी। उल्लेखनीय है कि ई-कोर्ट परियोजना के तीसरे चरण (फेज-क्कक्क) का मुख्य उद्देश्य न्यायालयों को शुरू से अंत तक डिजिटल बनाना और नागरिकों को सुलभ ई-सेवाएं उपलब्ध कराना है। देश की अदालतों में होने वाली मुकदमेबाजी में सरकारी मंत्रालयों, विभागों, पीएसयू (सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों) और स्वायत्त निकायों की एक बहुत बड़ी हिस्सेदारी है। ऐसे में इन विभागों द्वारा ई-फाइलिंग को अपनाए जाने से न केवल कार्यक्षमता में भारी सुधार होगा, बल्कि अदालतों की भौतिक कागजी प्रक्रियाओं पर निर्भरता भी काफी कम हो जाएगी। मंत्रालय के मुताबिक, यह कार्यशाला केन्द्र सरकार की उस प्रतिबद्धता का एक स्पष्ट उदाहरण है, जिसका लक्ष्य देश में एक डिजिटल, कागज-रहित और नागरिक-केंद्रित न्याय वितरण प्रणाली की स्थापना करना और न्यायिक प्रक्रियाओं में तकनीक के इस्तेमाल को संस्थागत रूप देना है।

दीपावली से पहले काठमांडू में प्लास्टिक के फूल और माला बेचने पर पूर्ण प्रतिबंध



काठमांडू। नजदीक आ रहे दीपावली पर्व को देखते हुए काठमांडू महानगरपालिका ने अपने क्षेत्र में प्लास्टिक से बने फूलों, फूलों की मालाओं और सजावट के विभिन्न सामानों की बिक्री एवं वितरण पर पूरी तरह प्रतिबंध लगा दिया है। महानगरपालिका ने सभी व्यवसायियों, व्यापारियों और आम लोगों से फूलों और मालाओं के इस्तेमाल को प्राथमिकता देने की अपील की है। काठमांडू महानगरपालिका के नगर कार्यपालिका कार्यालय के अंतर्गत आने वाले महानगर पुलिस बल ने एक सूचना जारी कर चेतावनी दी है कि प्रतिबंध की अवहेलना कर यदि कोई प्लास्टिक से बने या निर्धारित गुणवत्ता मानकों पर खरे नहीं उतरने वाले फूल, मालाएं और सजावट के सामान बेचते हुए पाया गया, तो उन सभी सामग्रियों को जब्त कर लिया जाएगा। महानगर पुलिस बल ने नेपाली किसानों के उत्पादित फूल-मालाओं को उचित बाजार उपलब्ध कराने तथा आम लोगों को आसानी से खरीदारी की सुविधा देने के उद्देश्य से संबंधित निकायों के समन्वय में बिक्री के लिए विभिन्न स्थान निर्धारित किए हैं।

बांग्लादेश की राजधानी ढाका के अगरगांव मेट्रो रेल स्टेशन में बम विस्फोट



एजेंसी

ढाका (बांग्लादेश)। देश की राजधानी ढाका के अगरगांव मेट्रो रेल स्टेशन में बम विस्फोट होने खलबली मच गई। यह घटना सोमवार रात की बताई जा रही है। पुलिस घटना की जांच कर रही है। यह देसी बम बताया गया है।

ढाका ट्रिब्यून अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, शेर-ए-बांग्ला नगर थाना प्रभारी मुनिरुल इस्लाम ने बताया कि रात 8:30 बजे के कुछ देर बाद धमाके की खबर मिलने पर पुलिस अगरगांव मेट्रो रेल स्टेशन पहुंची। उन्होंने कहा, मौके पर पहुंचने पर हमें पता चला कि उपद्रवियों ने एक 'कॉकटेल बम' (देसी बम) फोड़ा और वहां से भाग गए। उन्होंने बताया कि धमाके करने वाले लोगों की पहचान करने के लिए पुलिस आसपास के इलाकों के सीसीटीवी फुटेज की जांच कर रही है।

अमेरिका ने ईरान के केशम द्वीप पर किया हमला

एजेंसी



वाशिंगटन (अमेरिका)/तेहरान (ईरान)। अमेरिका ने कतर के अधिकारियों के जरिए ईरान के साथ चल रही समझौते की बातचीत के दौरान केशम द्वीप पर हमला किया है। तीन अमेरिकी अधिकारियों ने कहा कि अमेरिकी सेना ने सोमवार को ईरान के केशम द्वीप पर सीमित हमले किए। उन्होंने इसे बचाव की कार्रवाई बताया और कहा इसका मकसद इलाके में मौजूद अमेरिकी संपत्तियों की सुरक्षा करना है।

सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, इन तीन अधिकारियों से एक ने बताया कि यह हमला ईरान के एक अमेरिकी विमान पर गोलीबारी करने के जवाब में किया गया। यह कोई बड़ा सैन्य अभियान नहीं है। दूसरे अधिकारी ने कहा, ₹यह कदम बचाव के लिए उठाया गया, क्योंकि ईरान, अमेरिकी संपत्तियों के खिलाफ सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलों का इस्तेमाल कर रहा था।₹ रिपोर्ट के अनुसार, देश में मध्यावधि चुनाव से ठीक पहले की गई इस कार्रवाई से लगता है कि ईरान के साथ स्थिति अभी भी सुलझी नहीं है और सैन्य टकराव की संभावना अभी भी बनी हुई है।

इस हमले की जानकारी रखने वाले एक अधिकारी ने बताया कि प्रशासन ने जानबूझकर इस हमले को गुप्त रखा, ताकि बचाव के इस कदम को जरूरत से ज्यादा तूल न मिले। उन्होंने कहा कि इन हमलों का मकसद अमेरिकी संपत्तियों की सुरक्षा करना था। यह हमला ऐसे समय पर हुआ है जब राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को सोशल मीडिया पर कहा कि तेहरान के साथ कूटनीति अभी भी काम कर रही है और एक समझौता ₹हो सकता है। ट्रंप ने सोमवार रात फॉक्स न्यूज पर एक कार्यक्रम में ईरान में नए हमलों की खबरों पर सीधे तौर पर तो कुछ नहीं कहा, लेकिन ईरान में युद्ध शुरू करने के अपने फैसले का बचाव किया और संकेत दिया कि हाल के दिनों में कोई लड़ाई नहीं हुई है। ट्रंप ने कहा, 'यह हलका युद्ध है। यह भीषण युद्ध नहीं है। अगर वे कोई समझौता नहीं करते हैं तो युद्ध हो सकता है। लेकिन वे बहुत शिद्दत से समझौता करना चाहते हैं और इस बात की काफी अच्छी संभावना है कि हम कोई समझौता कर लें।' उपराष्ट्रपति जे.डी. वेंस ने भी सोमवार को कुछ ऐसा ही रुख अपनाते हुए पत्रकारों से कहा कि अमेरिका और ईरान ने युद्ध को खत्म करने की दिशा में ₹कुछ प्रगति₹ की है। उपराष्ट्रपति ने कहा, ईरानी हमेशा थोड़े अप्रत्याशित होते हैं और जैसा कि राष्ट्रपति हमेशा कहते हैं कि उनके पास सैन्य और गैर सैन्य दोनों तरह के विकल्प मौजूद हैं। लेकिन हमने निश्चित रूप से कुछ प्रगति की है।

भारत के विदेश सचिव विक्रम मिस्री कल और परसों नेपाल के दौरे पर

एजेंसी



नई दिल्ली/काठमांडू। भारतीय विदेश सचिव विक्रम मिस्री चार एवं पांच नवंबर को नेपाल के आधिकारिक दौरे पर रहेंगे। इस दौरान वे आपसी हित के द्विपक्षीय, क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर चर्चा करेंगे और कई प्रमुख नेताओं से मुलाकात भी करेंगे। भारत के विदेश मंत्रालय के अनुसार भारत और नेपाल के बीच मजबूत और मैत्रीपूर्ण संबंध हैं, जिनमें सहयोग के विभिन्न क्षेत्रों में काफी प्रगति हुई है। विदेश सचिव का यह दौरा दोनों देशों के बीच नियमित उच्चस्तरीय आदान-प्रदान की परंपरा को आगे बढ़ाएगा और व्यापक द्विपक्षीय साझेदारी को और मजबूत करने में मदद करेगी। वहीं, नेपाल के विदेश मंत्रालय के अनुसार मिस्री नेपाल के विदेश सचिव अमृत राई के साथ द्विपक्षीय वार्ता करेंगे। बातचीत में नेपाल-भारत संबंधों के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा होगी और आपसी हितों के मुद्दों पर विचारों के आदान-प्रदान का अवसर मिलेगा।

मंत्रालय के मुताबिक दोनों पक्षों के बीच दोनों देशों के लंबे समय से चले आ रहे घनिष्ठ और मैत्रीपूर्ण संबंधों को और मजबूत करने के उपायों पर भी चर्चा होने की उम्मीद है। मिस्री नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन्द्र शाह, विदेशमंत्री शिशिर खनाल सहित वरिष्ठ नेपाली अधिकारियों से शिष्टाचार मुलाकात भी करेंगे।

भारत ने ओमान तट पर व्यावसायिक जहाज पर हुए हमले की कड़ी निंदा की

नई दिल्ली। भारत ने ओमान के तट के पास एक व्यावसायिक जहाज पर हुए हमले की कड़ी निंदा की है। जहाज में 14 भारतीय सवार थे जिनमें से एक की मौत हो गई है। विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को एक एक वक्तव्य जारी कर कहा है कि सोमवार शाम ओमान के लिमाह के पास वाणिज्यिक जहाज 'एमएसवी अल जुसुफी' पर हुए हमले की भारत निंदा करता है।मंत्रालय ने बताया कि जहाज पर सवार 14 भारतीय नागरिकों में से 13 को बचा लिया गया है, जबकि एक भारतीय नागरिक की चोटिल होने के बाद मौत हो गई। मंत्रालय ने मृतक भारतीय के परिजन के प्रति संवेदना प्रगट की है। मंत्रालय ने आगे बताया कि ओमान में हमारा दूतावास स्थिति पर बारीकी से नजर रख रहा है और बचाए गए भारतीय नागरिकों तथा मृतक के पार्थिव शरीर को जल्द से जल्द वापस लाने के लिए ओमान के अधिकारियों के साथ समन्वय कर रहा है।

केंद्र सरकार ने नए विमान नियम किए अधिसूचित, जनवरी, 2027 से होंगे लागू

एजेंसी



नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने 90 साल पुराने विमान कानून की जगह 'भारतीय वायुयान नियम-2026 को अधिसूचित कर दिया है। ये नए नियम 1 जनवरी, 2027 से पूरे देश में लागू होंगे, जो पुराने विमान नियम, 1937 का स्थान लेंगे। हालांकि, मौजूदा नियमों की तुलना में नए नियमों में किए गए विशिष्ट बदलावों का तत्काल पता नहीं चल सका है।अधिसूचना के मुताबिक नए नियमों के तहत एयरलाइंस को टिकट बुक करते समय किराये और सभी शुल्कों का अलग-अलग ब्योरा देना होगा। ये जानकारी बुकिंग वेबसाइट और जारी टिकट, दोनों पर देनी होगी। ब्योरे में कुल रकम के साथ किराया, टैक्स, फीस, कैंसिलेशन चार्ज और रिफंड की शर्तें भी अलग-अलग बतानी होंगी। किसी अन्य शुल्क की जानकारी भी देनी होगी। एयरलाइन कंपनियों के तय किए गए किराये की निगरानी नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) करेगा। यह नियम भारतीय वायुयान विधेयक-2024 के तहत बनाए गए हैं, जिसने 90 साल पुराने विमान अधिनियम-1934 का स्थान लिया है।

भारतीय वायुयान नियम-2026 के तहत किसी 'असाधारण स्थिति' में नागर विमानन मंत्रालय हवाई किराये के मामले में हस्तक्षेप कर सकता है। हालांकि, नियमों में यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि किन परिस्थितियों को 'असाधारण स्थिति' माना जाएगा। नियमों में कहा गया है कि यदि केंद्र सरकार की राय में कोई असाधारण स्थिति उत्पन्न होती है, तो वह जनहित में आवश्यक और उचित समझे जाने वाले निर्देश लिखित आदेश के जरिये जारी कर सकती है।

उछला शेयर बाजार, पहले घंटे में ही 2 लाख करोड़ तक बढ़ी निवेशकों की दौलत

एजेंसी



नई दिल्ली। भारतीय शेयर बाजार में आज लगातार चौथे दिन तेजी का सिलसिला जारी है। आज सुबह के कारोबारी सत्र में बाजार में शानदार रौनक देखने को मिली। कच्चे तेल की कीमत लगातार 100 डॉलर प्रति बैरल के ऊपर बने रहने के दबाव के बावजूद घरेलू शेयर बाजार में पॉजिटिव सेंटीमेंट्स के सपोर्ट से सेंसेक्स और निफ्टी दोनों सूचकांकों ने जोरदार शुरूआत की। शुरूआती कारोबार के दौरान ही बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज का सेंसेक्स 700 अंकों से अधिक उछल गया, जबकि नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 23,600 के महत्वपूर्ण स्तर को पार करने में सफल रहा।

बाजार में इस चौतरफा खरीदारी के चलते ब्रॉडर मार्केट में भी आज दिन के पहले सत्र के कारोबार के दौरान लगातार पॉजिटिव माहौल बना हुआ है, विशेषकर मिडकैप शेयरों में खरीदारी का ज्यादा जोर दिखाई दे रहा है। बाजार की इस तेज छलांग की वजह से सुबह पहले घंटे के कारोबार में ही बीएसई पर लिस्टेड कंपनियों के कुल मार्केट कैप में करीब दो लाख करोड़ रुपये का बड़ा इजाफा दर्ज किया गया, जिससे निवेशकों की संपत्ति में भारी बढ़ोतरी हुई है।

मार्केट एक्सपर्ट्स का मानना है कि घरेलू शेयर बाजार में आज आई इस शानदार तेजी के पीछे मुख्य रूप से तीन बड़े कारण काम कर रहे हैं। धामी सिक्योरिटीज को वाइस प्रेसिडेंट प्रशांत धामी के अनुसार बाजार को सबसे बड़ा सहारा एफएमसीजी सेक्टर के शेयरों से मिल रहा है, जहां मैरिको और गॉडफ्रे फिलिप्स जैसी दिग्गज कंपनियों में आई जोरदार तेजी के चलते पूरा इंडेक्स एक प्रतिशत से भी ज्यादा मजबूत हो चुका है। इसके अलावा ग्लोबल मार्केट में चिप बनाने वाली कंपनियों के शेयरों में हुई बिकवाली के बाद घरेलू आईटी कंपनियों के प्रति निवेशकों का आकर्षण बढ़ा है, जिससे भारतीय आईटी स्टॉक्स को अच्छा सपोर्ट मिल रहा है।

प्रशांत धामी का कहना है कि बाजार की आज की तेजी की तीसरी और सबसे महत्वपूर्ण वजह विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) द्वारा भारतीय बाजार में लगातार की जा रही भारी खरीदारी है। विदेशी निवेशकों के इस भरोसे को उस खबर से और बल मिला है, जिसके मुताबिक मार्केट रेगुलेटर सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज बोर्ड ऑफ इंडिया (सेबी) ने सरकार से विदेशी निवेशकों को लॉन्ग टर्म कैपिटल गेंस (एलटीजीसी) पर टैक्स से राहत देने का प्रस्ताव किया है। इन्हीं सकारात्मक वजहों के चलते आज निफ्टी की वीकली एक्सपायरी के दिन भी शुरूआती कारोबार के दौरान बाजार पूरे जोश में नजर आ रहा है।

न्यूज IN ब्रीफ

गूगल पे ठीक कराने के नाम पर मोबाइल हैक कर 1.35 लाख की ठगी

मेदिनीनगर। पलामू जिले के हुसैनाबाद में गूगल पे की तकनीकी समस्या दूर करने के नाम पर साइबर ठगों ने एक दुकानदार के खाते से 1 लाख 34 हजार 999 रुपये की निकासी कर ली। मामले में जवाहिर साव गली, वार्ड संख्या आठ निवासी 54 वर्षीय दिनेश कुमार आनंद ने दो नवंबर को हुसैनाबाद थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई है।

प्राथमिकी के अनुसार, 14 अक्टूबर को दुकान का गूगल पे स्कैनर काम नहीं कर रहा था। ग्राहक सेवा केंद्र से संपर्क करने के बाद नमन गुप्ता नामक व्यक्ति ने व्हाट्सएप पर एक एपीके फाइल भेजकर डाउनलोड करने को कहा। फाइल डाउनलोड करते ही उनका मोबाइल करीब एक घंटे तक ठगों के नियंत्रण में रहा।

इस दौरान बैंक खाते से तीन बार में 85 हजार, 35 हजार और 14,999 रुपये की निकासी कर ली गई। पीड़ित ने साइबर हेल्पलाइन 1930 पर भी शिकायत दर्ज कराई है। हुसैनाबाद पुलिस प्राथमिकी दर्ज कर मामले की छानबीन में जुट गई है।

प्रधानमंत्री ने अक्षय ऊर्जा वैश्विक सम्मेलन का किया उद्घाटन, सम्राट चौधरी हुए शामिल



पटना : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दो नवंबर को नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित ह्यभारत नवीकरणीय ऊर्जा शिखर सम्मेलन एवं प्रदर्शनी-2026ह्ल का उद्घाटन किया। इस अवसर पर बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी भी शामिल हुए।

दो से पांच नवंबर तक आयोजित इस चार दिवसीय वैश्विक सम्मेलन की थीम ह्यनिवेश करें, नवाचार करें और प्रेरित करेंह्ल रखी गई है। सम्मेलन में 130 से अधिक देशों के प्रतिनिधि और 40 से अधिक मंत्री भाग ले रहे हैं।

इस आयोजन में अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में निवेश, नई तकनीकों, औद्योगिक सहयोग और अंतरराष्ट्रीय साझेदारी को बढ़ावा देने पर चर्चा होगी। बिहार समेत 13 राज्य और केंद्र शासित प्रदेश अपनी ऊर्जा क्षमता और निवेश की संभावनाओं को प्रस्तुत करेंगे। सम्मेलन के माध्यम से बिहार को स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में विदेशी निवेश और तकनीकी सहयोग आकर्षित करने का अवसर मिलेगा।

बिहार की 49,751 करोड़ की सड़क परियोजनाओं को जल्द मंजूरी देने की मांग

पटना : मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने दिल्ली दौरे के दौरान केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी से मुलाकात कर बिहार में सड़क एवं आधारभूत संरचना के विकास पर चर्चा की। इस दौरान उन्होंने राज्य में सड़क परियोजनाओं के लिए निरंतर सहयोग देने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय मंत्री के प्रति आभार व्यक्त किया।

मुख्यमंत्री ने 49,751 करोड़ रुपये की लागत वाली चार प्रमुख राष्ट्रीय राजमार्ग एवं द्रुतगामी सड़क परियोजनाओं को आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति से शीघ्र मंजूरी देने का अनुरोध किया। इनमें गंडक नदी पर दो लेन का पुल, पटना में छह लेन का ऊंचा मार्ग, पटना-पूर्णिया चार लेन द्रुतगामी सड़क तथा वाराणसी-रांची-कोलकाता छह लेन हरित द्रुतगामी सड़क का निर्माण शामिल है। उन्होंने गोरखपुर-सिलीगुड़ी द्रुतगामी सड़क के बिहार खंड को राष्ट्रीय द्रुतगामी सड़क घोषित करने और रक्सौल-हल्दिया द्रुतगामी सड़क को जल्द मंजूरी देने की मांग भी की। इसके अलावा मुजफ्फरपुर-बरौनी राष्ट्रीय राजमार्ग के चार लेन चौड़ीकरण कार्य में तेजी लाने का आग्रह किया।

बैठक में सड़क नेटवर्क के विस्तार, पुलों के निर्माण, बेहतर यातायात व्यवस्था और बाढ़ सुरक्षा से जुड़े कार्यों पर भी चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने लंबित परियोजनाओं की तकनीकी एवं वित्तीय स्वीकृति शीघ्र देने का अनुरोध किया।

सामाजिक नवनिर्माण के लिए महिला सशक्तिकरण जरूरी : उर्मिला यादव

रांची : महिलाओं को रोजगारपरक प्रशिक्षण देकर आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में नवजीवन महिला जागृति केंद्र ने सराहनीय पहल की है। संस्था की ओर से रांची के एचईसी परिसर स्थित सेक्टर-दो में पिछले छह महीनों से संचालित निःशुल्क कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन हुआ। इस अवसर पर प्रशिक्षण प्राप्त करने वाली महिलाओं को प्रमाण-पत्र देकर सम्मानित किया गया। प्रशिक्षण के दौरान महिलाओं को सौंदर्य प्रसाधन एवं सौंदर्य देखभाल, परिधान निर्माण और मेहंदी कला का व्यावहारिक प्रशिक्षण दिया गया, ताकि वे स्वरोजगार अपनाकर आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बन सकें।

कार्यक्रम की मुख्य अतिथि रांची नगर निगम की पूर्व पार्षद उर्मिला यादव ने कहा कि सामाजिक नवनिर्माण के लिए महिला सशक्तिकरण जरूरी है। महिलाओं को हुनरमंद बनाकर ही उन्हें आत्मनिर्भर बनाया जा सकता है। संस्था की सचिव नम्रता भारती ने कहा कि ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम महिलाओं में आत्मविश्वास बढ़ाने के साथ परिवार और समाज के विकास में उनकी भागीदारी सुनिश्चित करते हैं।

मौके पर फैशन डिजाइनिंग प्रशिक्षक रानी गुड़िया, अनीता यादव तथा सौंदर्य प्रशिक्षण की प्रशिक्षक नम्रता भारती और विनीता सहित अन्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंत में सभी प्रशिक्षुओं के उज्ज्वल और आत्मनिर्भर भविष्य की कामना की गई।

22वीं झारखंड राज्य सीनियर वुशु प्रतियोगिता संपन्न, रांची की टीम बनी विजेता

खूंटी : खूंटी में आयोजित 22वीं झारखंड राज्य सीनियर वुशु प्रतियोगिता का एक नवंबर को सफलतापूर्वक समापन हुआ। प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करते हुए रांची की टीम ने कुल 140 अंक हासिल कर प्रथम स्थान प्राप्त किया। चतरा की टीम दूसरे और साहिबगंज की टीम तीसरे स्थान पर रही।

प्रतियोगिता में राज्य के विभिन्न जिलों से करीब 300 खिलाड़ियों, प्रशिक्षकों और तकनीकी पदाधिकारियों ने हिस्सा लिया। समापन समारोह में मुख्य अतिथि राम सूर्य मुंडा तथा विशिष्ट अतिथि दशरथ महतो, अजय कुमार, मनीष कुमार और संजीव कुमार ने विजेता एवं उपविजेता टीमों के खिलाड़ियों को पदक और ट्रॉफी देकर सम्मानित किया। पुरुष वर्ग की सांडा स्पर्धा में निशांत तिर्की, मनोज कुमार मांझी, ध्रुव द्विवेदी, देव कुमार बेदिया, शशिकांत महतो, कमल नयन, चम्रुपुरवा, रंजन घोष और प्रभात कुमार राजक ने अपने-अपने भार वर्ग में स्वर्ण पदक जीते। महिला वर्ग की सांडा स्पर्धा में सविता कुमारी, ज्योति कुमारी, सुमी बिरवा, वर्षा रानी, पल्लवी गारी, अर्पणा कुजूर और मंदीरा कुमारी ने स्वर्ण पदक हासिल किया। वहीं, ताऊलू स्पर्धा में संजना कुमारी, आस्था उरांव, सुमो कुमारी, शीतल कुमारी और अंजली कुमारी ने स्वर्ण पदक जीते।

खूंटी के चालम बरटोली में 998 ग्राम अफीम के साथ एक गिरफ्तार, दो फरार

संवाददाता

खूंटी : जिले में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ पुलिस को एक और सफलता मिली है। पुलिस ने अड़की से मुरहू स्थित नील फैक्ट्री की ओर मोटरसाइकिल से अफीम लेकर जा रहे तीन लोगों में से एक को 998 ग्राम अवैध अफीम के साथ गिरफ्तार किया है। वहीं, उसके दो साथी जंगल-झाड़ियों का फायदा उठाकर मौके से फरार होने में सफल रहे। जब्त अफीम की अनुमानित कीमत करीब पांच लाख रुपये बताई गई है।

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, 1 नवंबर 2026 को पुलिस अधीक्षक, खूंटी को गुप्त सूचना मिली थी कि अड़की की ओर से एक मोटरसाइकिल पर सवार तीन व्यक्ति मुरहू स्थित नील



फैक्ट्री की तरफ अफीम बेचने के उद्देश्य से जा रहे हैं। सूचना के आधार पर पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी मंगल सिंह जामुदा के नेतृत्व में छापेमारी टीम का गठन किया गया। टीम ने चालम बरटोली की पक्की सड़क पर वाहन जांच अभियान शुरू किया। इसी दौरान चालम बरटोली की ओर से एक यामाहा मोटरसाइकिल पर सवार तीन व्यक्ति आते दिखाई दिए। पुलिस को देखकर तीनों मोटरसाइकिल छोड़कर भागने लगे। पुलिस बल ने पीछा कर एक व्यक्ति को मोटरसाइकिल और झोले के साथ पकड़ लिया, जबकि दो अन्य आरोपी जंगल-झाड़ियों का लाभ उठाकर फरार हो गए।

गिरफ्तार आरोपी की पहचान 32 वर्षीय लादु मुंडा, पिता ओदार मुंडा, निवासी मदहातु गांव, थाना अड़की, जिला खूंटी के रूप में हुई है। तलाशी के दौरान उसके झोले से पारदर्शी प्लास्टिक में रखा 998 ग्राम अफीम जैसा पदार्थ बरामद किया गया, जिसे जांच प्रक्रिया के तहत जब्त किया गया। पुलिस ने मौके से 998 ग्राम अवैध अफीम, यामाहा मोटरसाइकिल संख्या खल01अछ-2009 और एक झोला जब्त किया है। इस मामले में एनडीपीएस थाना खूंटी में कांड संख्या 18/26, दिनांक 1 नवंबर 2026 के तहत एनडीपीएस एक्ट 1985 की धारा 17(बी), 25 एवं 29 के अंतर्गत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस फरार दोनों आरोपियों की तलाश में जुटी है। छापेमारी दल में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी मंगल सिंह जामुदा, एनडीपीएस थाना प्रभारी पुलिस अवर निरीक्षक मणी दीप तथा एनडीपीएस थाना के सशस्त्र बल के जवान शामिल थे।

भोजपुर के तीन कलाकारों को मिला कला रत्न सम्मान

संवाददाता

आरा : समस्तीपुर जिले के दलसिंहसराय स्थित अनन्या कला प्रेक्षागृह में आयोजित सम्मान समारोह में भोजपुर के तीन कलाकारों को कला रत्न सम्मान-2026 से सम्मानित किया गया। विजुअल आर्ट फाउंडेशन की ओर से 16वें शारदीय नवरात्रि महोत्सव के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में वरिष्ठ चित्रकार एवं कला लेखक रौशन राय, वरिष्ठ चित्रकार कौशलेश कुमार और वरिष्ठ मूर्तिकार पिंटू प्रसाद को बिहार के कला एवं संस्कृति मंत्री डॉ. प्रमोद कुमार चंद्रवंशी ने स्मृतिचिह्न, अंगवस्त्र और प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर मंत्री ने कहा कि कलाकारों को सम्मानित करना गर्व की बात है। कला के विकास से ही जीवन दर्शन को समझने का अवसर मिलता है। उन्होंने आयोजन की सराहना करते हुए इसे बिहार की कला-संस्कृति को आगे बढ़ाने वाली पहल बताया।

फाउंडेशन के अध्यक्ष एवं वरिष्ठ चित्रकार मुहम्मद सुलेमान आलम ने सम्मानित कलाकारों को बधाई दी। कला शिक्षक रौशन राय ने कहा कि इस तरह के आयोजन कलाकारों का उत्साह बढ़ाने के साथ बिहार की कला-संस्कृति को नई पहचान दिलाने में सहायक होंगे। तीनों कलाकारों को भोजपुर के रंगकर्मियों, चित्रकारों, शिक्षाविदों और समाजसेवियों ने भी बधाई दी। इनमें भास्कर मिश्रा, अजय राय, मानवेंद्र कुमार, कमलेश कुंदन, विजय कुमार सिन्हा सहित कई गणमान्य लोग शामिल रहे। कार्यक्रम में देश के विभिन्न हिस्सों से आए कलाकारों को भी सम्मानित किया गया।

रक्तवीर विवेक तिवारी ने पेश की इंसानियत की मिसाल : हृदयानंद मिश्र

मेट्रोरेज संवाददाता

मेदिनीनगर : हृदयानंद मिश्र एडवोकेट ने कहा कि संकट की घड़ी में मदद के लिए उठे दो हाथ कभी-कभी किसी परिवार के लिए जीवन की सबसे बड़ी उम्मीद बन जाते हैं। ऐसा ही मानवीय उदाहरण उस समय सामने आया, जब रांची के नागरमल सेवा सदन में भर्ती शोभा देवी, पत्नी आशीष मिश्रा, को तत्काल बी पॉजिटिव रक्त की एक यूनिट की आवश्यकता पड़ी।

उस समय मैं दिल्ली में था। आशीष मिश्रा ने दूरभाष पर मुझे स्थिति की जानकारी दी। मैंने बिना समय गंवाए पलामू के हरिनामाड़ गांव निवासी रक्तवीर विवेक तिवारी से व्हाट्सऐप के माध्यम से संपर्क किया। संदेश मिलते ही विवेक तिवारी ने मामले की गंभीरता को समझते हुए तत्काल पहल की और महज 15 मिनट के भीतर रक्त की व्यवस्था कर दी।

विवेक तिवारी की यह तत्परता केवल रक्त उपलब्ध कराने की घटना नहीं, बल्कि यह उस मानवीय संवेदना का प्रमाण है जिसमें दूरी, परिचय और व्यक्तिगत सुविधा से ऊपर किसी जरूरतमंद की जिंदगी को प्राथमिकता दी जाती है।

आज समाज को ऐसे ही संवेदनशील और सेवाभावी युवाओं की आवश्यकता है, जो संकट की सूचना मिलते ही यह न पूछें कि जरूरतमंद कौन है, बल्कि यह सोचें कि मैं उसकी मदद कैसे कर सकता हूं।

मैं रक्तवीर विवेक तिवारी के प्रति हृदय से आभार व्यक्त करता हूं और उनके इस पुनीत कार्य के लिए उन्हें साधुवाद देता हूं। मैं समाज के सभी लोगों से भी आग्रह करता हूं कि विवेक तिवारी जैसे रक्तवीरों का धन्यवाद करते हुए उनका हौसला बढ़ाएं, ताकि रक्तदान और मानव सेवा की यह भावना और व्यापक हो।

रक्त की एक यूनिट किसी के लिए केवल रक्त नहीं होती—वह किसी परिवार की उम्मीद, किसी मां की दुआ, किसी पत्नी का जीवन और किसी घर की मुस्कान होती है।

विवेक तिवारी ने 15 मिनट में रक्त की व्यवस्था कर यह साबित किया है कि इंसानियत आज भी जिंदा है और जरूरत के वक्त इंसान ही इंसान के काम आता है।

चौकड़ी के कुएं में मिले दो नाग-नागिन, देखने उमड़े ग्रामीण

मेट्रोरेज संवाददाता

मेदिनीनगर : हैदरनगर थाना क्षेत्र के चौकड़ी गांव में रविवार को उस समय सनसनी फैल गई जब मध्य विद्यालय के पास खेत के एक कुएं में दो बड़े सांप देखे गए। ग्रामीणों ने इसे नाग-नागिन का जोड़ा बताया। देखते ही देखते यह खबर पूरे गांव सहित आसपास के इलाकों में आग की तरह फैल गई।

ग्रामीणों के अनुसार किसान अपने खेत की ओर गया था, तभी उसकी नजर कुएं में पड़े दो सांपों पर पड़ी। दोनों सांप कुएं के अंदर एक साथ लिपटे हुए थे। ग्रामीणों ने बताया कि कई दिनों से इस क्षेत्र में सांप देखे जा रहे थे, लेकिन कुएं में जोड़े के रूप में पहली बार देखा गया है। इसे लेकर लोगों में तरह-तरह की चर्चा भी हो रही है। कुछ लोग इसे आस्था से जोड़कर देख रहे हैं।

घटना की सूचना ग्रामीणों ने तत्काल हैदरनगर थाना प्रभारी तंजीलुल मन्नान को दी। थाना प्रभारी ने मामले की गंभीरता को देखते हुए वन विभाग को सूचना दे दी है। उन्होंने ग्रामीणों से अपील की है कि कुएं के पास



भीड़ न लगाएं और सांपों को किसी तरह का नुकसान न पहुंचाएं। वन विभाग की टीम के पहुंचने के बाद रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया जाएगा।

इधर, नाग-नागिन की खबर मिलते ही बड़ी संख्या में लोग कुएं के पास पहुंचने लगे। भीड़ को नियंत्रित करने में ग्रामीण लगे हैं। समाचार लिखे जाने तक वन विभाग की टीम गांव के लिए रवाना हो चुकी थी। ग्रामीणों ने सुरक्षित तरीके से सांपों को निकालकर जंगल में छोड़ने की मांग की है।

कांग्रेस का प्रधानमंत्री चेहरा संजीव कुमार सिंह हों : राजीव

नई दिल्ली: कांग्रेस नेता एवं पूर्व लोकसभा-विधानसभा प्रत्याशी राजीव कुमार सिंह ने वर्ष 2029 के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस की ओर से प्रधानमंत्री पद के उम्मीदवार के रूप में अधिवक्ता संजीव कुमार सिंह का नाम आगे करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी के बजाय उच्चतम न्यायालय के अधिवक्ता संजीव कुमार सिंह को पार्टी का चेहरा बनाया जाना चाहिए।

राजीव कुमार सिंह ने दावा किया कि संजीव कुमार सिंह अनुभवी, शिक्षित और आम लोगों से जुड़े नेता हैं। उन्होंने सुशांत सिंह राजपूत और भरत तिवारी के मामलों में उनकी कानूनी पैरवी का भी उल्लेख किया। साथ ही उन्हें पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी का सलाहकार रह चुका बताया।

बिट्टू पाठक अपने सैकड़ो समर्थकों के साथ दिल्ली पहुंचे लोकतंत्र बचाने के लगाए नारे



मेट्रोरेज संवाददाता

मेदिनीनगर : देश में लोकतंत्र की रक्षा, संविधान एवं संवैधानिक संस्थाओं की सुरक्षा तथा चुनावों में कथित वोट चोरी के षड्यंत्र के मुख्य सूत्रधार मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को पद से हटाने की मांग को लेकर कांग्रेस नेता एवं लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के 'दिल्ली चलो' आह्वान पर पलामू से सैकड़ों की संख्या में कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने दिल्ली के रामलीला मैदान में आयोजित विशाल जनसभा में हिस्सा लिया।

प्रदेश कांग्रेस कमेटी के राज्य सचिव सह पूर्व जिला अध्यक्ष जैश रंजन पाठक उर्फ बिट्टू पाठक अपने सैकड़ो समर्थकों के साथ दिल्ली पहुंचे और कार्यक्रम में अपनी भागीदारी निभाई। इस दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं में खासा उत्साह देखने को मिला।

दिल्ली के कनॉट प्लेस के निकट बाराखंभा रोड से जैश रंजन पाठक उर्फ बिट्टू पाठक अपने सैकड़ो समर्थकों के साथ जुलूस के रूप में रामलीला मैदान की ओर रवाना हुए। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने 'ज्ञानेश कुमार हटाओ, लोकतंत्र बचाओ' और 'वोट चोर गद्दी छोड़ो' जैसे नारे लगाए।

जनसभा में शामिल कांग्रेस नेताओं ने लोकतांत्रिक मूल्यों, संविधान और संवैधानिक संस्थाओं की रक्षा के लिए एकजुट होकर आवाज बुलंद की। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए निष्पक्ष चुनाव औरन संवैधानिक संस्थाओं की स्वतंत्रता बेहद जरूरी है। उन्होंने राहुल गांधी के नेतृत्व में लोकतंत्र की रक्षा की लड़ाई को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।

श्री श्री मां शक्ति सेना महानगर काली पूजा समिति के संरक्षक बने सुनील कुमार सिंह



संवाददाता

रांची : श्री श्री मां शक्ति सेना महानगर काली पूजा समिति हरमू, रांची की ओर से आगामी 8 से 11 नवंबर तक हरमू, रांची भाजपा कार्यालय के पीछे परिसर में आयोजित होने वाले चार दिवसीय मां काली पूजा महोत्सव की तैयारियां तेज कर दी है। इसी क्रम में शनिवार की देर शाम समिति के प्रतिनिधि मंडल ने भाजपा नेता सह राष्ट्र सेवा फाउंडेशन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सुनील कुमार सिंह को उनके रांची स्थित निजी आवास पर आमंत्रण दिया। तथा समिति का संरक्षक का दायित्व सौंपा। जिसे उन्होंने सहर्ष स्वीकार किया। इस मौके पर सुनील कुमार सिंह ने कहा कि मां काली के पावन आयोजन से जुड़ना गौरव की बात है। मां काली पूजा धार्मिक आस्था के साथ के एकता और सांस्कृतिक परंपराओं को मजबूत करने का सशक्त माध्यम है। उन्होंने कहा कि धार्मिक आयोजनों से समाज में आपसी भाईचारा सहयोग और सांस्कृतिक चेतना मजबूत होती है। कहा की समिति को हर यथासंभव सहयोग और मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने आयोजन की सफलता के लिए शुभकामनाएं दीं। समिति की अध्यक्ष श्रीमती सुमन सिंह ने कहा कि समिति का उद्देश्य धार्मिक आस्था के साथ सामाजिक समरसता और सामूहिक सहभागिता को बढ़ावा देना है। सभी शंरक्षकों के मार्गदर्शन में आयोजन को भव्य बनाया जाएगा। वहीं समिति के सचिव श्रीमती सोनी सिंह ने कहा कि समिति का विस्तार सामाजिक एकजुटता और सामूहिक जिम्मेदारी का प्रतीक है। सभी के सहयोग से महोत्सव को यादगार बनाया जाएगा। पांच दिवसीय कार्यक्रम की रूपरेखा 8 नवंबरः मां काली की प्रतिमा स्थापना एवम विशेष पूजा अर्चना। 9 नवंबरः 251 महिलाओं द्वारा संध्या महाआरती एवम महाभोग वितरण। 10 नवंबरः सांस्कृतिक कार्यक्रम (नन्हें मुन्ने बच्चों के द्वारा) नृत्य एवं संगीत प्रतियोगिता एवं महिलाओं, पुरुषों के द्वारा महा आरती एवं महाभोग का वितरण। 11 नवंबरः दिन 10 बजे हवन एवम भक्तजनों में चूड़ा दही वितरण के उपरांत मां काली की प्रतिमा का विसर्जन। इस अवसर पर देव कुमार सिंह, समाजसेवी श्रीमती रूबी सिंह, कोषाध्यक्ष नीलू सिंह, सदस्य निर्मला बड़ाइक स्नेहा सिंह सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे।

जियासोवा दिवाली मेले में चित्रकला प्रतियोगिता, 70 बच्चों ने दिखाई प्रतिभा

रांची : जियासोवा दिवाली मेला-2026 के अवसर पर एक नवंबर को मोरहाबादी मैदान में ध्वनि प्रदूषण विषय पर चित्रकला प्रतियोगिता आयोजित की गई। आईफा इंटरनेशनल रांची एवं सीड के संयुक्त सहयोग से आयोजित इस प्रतियोगिता में करीब 70 बच्चों ने भाग लेकर अपनी कलात्मक प्रतिभा दिखाई।

प्रतियोगिता को तीन आयु वर्गों में बांटा गया था। बच्चों ने चित्रों के माध्यम से तेज आवाज, पटाखों और ध्वनि प्रदूषण से मानव जीवन एवं पर्यावरण पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों को दर्शाया। निर्णायक मंडल में डॉ. जाकिर



हुसैन, अशोक कुमार और शगुफ्ता बानो शामिल थे।

प्रतियोगिता में इप्शिता सिन्हा, अनन्या शर्मा एवं अप्रीता रॉय को प्रथम, खुशी शर्मा, दृशा शर्मा एवं आराध्या पांडे को द्वितीय तथा शैलश्री पेखम एवं आयशा कुमारी को तृतीय पुरस्कार मिला। वहीं सान्वी कुमारी, आयुष कुमार एवं अद्या मिश्रा को सांत्वना पुरस्कार दिया गया।

सभी विजेताओं को साबिर हुसैन एवं अशोक सिंह ने पुरस्कार, पदक और स्मृतिचिह्न देकर सम्मानित किया। आयोजन को सफल बनाने में अलमा हसन, हुमायूं कबीर, अशोक सिंह, रितिका धान और तुषार का विशेष योगदान रहा। प्रतियोगिता का उद्देश्य बच्चों को कला के माध्यम से सामाजिक एवं पर्यावरणीय मुद्दों के प्रति जागरूक करना था।

मुख्यमंत्री ग्राम सेतु योजना से परसाबहाल में बन रहा पुल, इसी वर्ष होगा चालू

बिंजय नदी पर पुल निर्माण कार्य का नगर परिषद अध्यक्ष सन्नी उरांव ने किया निरीक्षण, ग्रामीणों को जल्द मिलेगी बरसात की परेशानी से राहत

संवाददाता

बंदगांव : मुख्यमंत्री ग्राम सेतु योजना के तहत बंदगांव प्रखंड की हुड़गदा पंचायत अंतर्गत परसाबहाल में बिंजय नदी पर बन रहे पुल निर्माण कार्य का सोमबार को चक्रधरपुर नगर परिषद अध्यक्ष सन्नी उरांव ने निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने निर्माण कार्य की प्रगति का जायजा लिया और संबंधित जानकारी प्राप्त की।

निरीक्षण के दौरान सन्नी उरांव ने कहा कि संजय नदी पर पुल निर्माण की मांग ग्रामीणों की वर्षों पुरानी मांग थी। पुल नहीं होने के कारण बरसात के दिनों में ग्रामीणों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता था। नदी में पानी बढ़ने से लोगों का शहर आना-जाना बंद हो जाता था। बच्चों की पढ़ाई प्रभावित होती थी और बीमार लोगों को अस्पताल



पहुंचाने में भी कठिनाई होती थी। उन्होंने बताया कि ग्रामीणों ने लगातार इस समस्या से विधायक को लिखित रूप में अवगत कराया था। इसके बाद पुल निर्माण के लिए डीपीआर तैयार करवाया गया और योजना को धरातल पर उतारा गया। वर्तमान में पुल निर्माण का कार्य लगभग पूरा होने की स्थिति में है। उन्होंने कहा कि पिछले तीन-चार महीनों से बालू की उपलब्धता नहीं होने के कारण निर्माण कार्य प्रभावित हुआ था। वहीं, बरसात के दिनों में संजय नदी में जलस्तर बढ़ने से भी कार्य में एक-दो महीने की देरी हुई। अब बालू की समस्या दूर हो गई है और निर्माण कार्य तेजी से पूरा होने की उम्मीद है। सन्नी उरांव ने उम्मीद जताई कि इसी वर्ष पुल का निर्माण कार्य पूरा कर इसे ग्रामीणों के आवागमन के लिए चालू कर दिया जाएगा। इससे आसपास के दर्जनी ग्रामीणों को बरसात के दिनों में आवागमन की समस्या से राहत मिलेगी। मौके पर जीप सदस्य बसंती पूर्ती, मुखिया मिथुन गागराई, रंजीत मंडल, अरूप चटर्जी, सुनील लागुरी, दुम्बी सुरिन सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे।